

ऐसे झूठ जो रिलेशनशिप को तोड़ने नहीं, बल्कि जोड़ने का करते हैं काम

परिवहन विशेष न्यूज

हमेशा सच बोलने की सीख हमें बचपन से ही दी जाती है लेकिन बाद में सभी को इस बात का एहसास होने लगता है कि व्यावहारिक रूप से कई बार पूरी तरह सच बोलना संभव नहीं होता। कभी अपनों की भावनाओं का सम्मान करने के लिए तो कभी उनके उदास मन को खुश करने के लिए थोड़ा झूठ बोलने में कोई बुराई नहीं है।

ऐसे झूठ जो रिलेशनशिप को तोड़ने नहीं, बल्कि जोड़ने का करते हैं काम

ऐसे झूठ जो रिलेशनशिप के लिए हैं अच्छे लाइफस्टाइल डेस्क, नई दिल्ली। कभी उस सिचुएशन के बारे में सोचकर देखिए कि अगर हर कोई एक-दूसरे से सच बोलने लग जाए, तो लोगों के आपसी रिश्ते कैसे होंगे, लोगों के मन में एक-दूसरे के लिए कितनी शिकायतें होंगी। कुल मिलाकर कहा जाए कि कड़वा सच बोलने की आदत कई बार रिश्तों पर भारी पड़ सकती है। इसलिए जहां तक संभव हो अगर कभी हमें अपने संबंधों को बचाने के लिए मामूली झूठ का भी सहारा लेना पड़े, तो इससे परहेज नहीं करना चाहिए।

बच्चों के साथ

कुछ बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होती है, तो कोई पढ़ाई में कमजोर होता है। ऐसे में उनका मनोबल बढ़ाने के लिए उनके हर प्रयास की प्रशंसा करने की जरूरत होती है। हो सकता है कि उस दौरान वह कुछ गलतियां भी करें, लेकिन उस वक्त उन्हें टोकने के बजाय समझाने की कोशिश करें। जब बच्चे कुकिंग सीख रहे होते हैं और वे आपके लिए किचन में कुछ बनाते हैं, तो स्वाद नापसंद होने के बावजूद उस वक्त उनके एफटर्स के लिए उनकी तारीफ जरूर करें। बाद में उन्हें प्यार से अगर छोटी-मोटी गलती हुई है, तो बताएं।

नैटिड लाइफ में

आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि पति-पत्नी के रिश्ते में एकदम ट्रांसपेरेंसी होनी चाहिए। उन्हें न सिर्फ एक-दूसरे से सच बोलना चाहिए, बल्कि अपने साथ की भावनाओं का भी सम्मान करना चाहिए। मान लीजिए अगर कोई पत्नी अपने पति को



जन्मदिन पर सरप्राइज देने के लिए उससे छिपाकर कुछ प्लान कर रही होती है, तो इसके लिए उसे पति से यहां थोड़ा सा झूठ बोलना ही पड़ेगा। क्योंकि अगर पत्नी या पति जो भी ये तैयारियां कर रहा है। सबकुछ बताकर करेगा, तो फिर सरप्राइज कैसा। ऐसे ही कई मौके होते हैं, जब एक-दूसरे की खुशियों का खयाल रखने के लिए झूठ बोलने पड़ते हैं न कि उन्हें ठेस पहुंचाने या धोखा देने के लिए। इसकी पहचान आपको करनी है।

पड़ोसियों के साथ

हो सके कुछ पड़ोसी बेमतलब घर में ताक-झांक करते हों या आपकी पर्सनल लाइफ में बहुत इंटररेस्ट लेते हों, तो ऐसी स्थिति में जाहिर सी बात है आपको परेशानी हो सकती है, लेकिन यहां आपको नाराज होकर उल्टा-सीधा बोलने की जगह शांत होकर इस बात पर विचार करना चाहिए कि इमरजेंसी में आपके पड़ोसी ही सबसे पहले काम आते हैं। इसलिए उनकी कुछ बातों



को नजरअंदाज करके उनके साथ अच्छे संबंध कायम रखने की कोशिश करें।

दोस्तों के साथ

दोस्ती के बारे में ऐसा कहा जाता है कि इसमें भी पारदर्शिता जरूरी है। अगर दोस्तों की कोई बाद नापसंद हो, उनके समाने साफ शब्दों में अपनी असहमति जाहिर करनी चाहिए। ऐसा न हो तो इससे रिश्ते में काम आते हैं। इसलिए उनकी कुछ बातों

के साथ बातचीत के दौरान थोड़ी सावधानी जरूरी है, क्योंकि अगर आप अपने दोस्त के शुभचिंतक हैं, तो कई बार उसके सामने झूठ बोलना भी अच्छा रहता है। जैसे- अगर आपका कोई दोस्त गंभीर रूप से बीमारी है, तो उससे सहायभूति दिखाते हुए ऐसा कभी न कहें कि तुम बहुत कमजोर लग रहे हो। भले ही आपका कहना सही हो, पर इससे उसके मन पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

गुणों का खजाना है गाजर का जूस, जानें इसे डाइट में शामिल करने के ढेरों फायदे



परिवहन विशेष न्यूज

सर्दियां आते ही कई सारी सब्जियां बाजार में मिलने लगती हैं जो हमें इस सीजन में हेल्दी बनाए रखने में मदद करती है। गाजर इन्हीं में से एक है जो एक रूठ वैजिटेबल है जिसे लोग कई तरह से अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं। कई लोग गाजर का जूस पीना भी पसंद करते हैं। आइए जानते हैं इसके कुछ फायदे-

गुणों का खजाना है गाजर का जूस, जानें इसे डाइट में शामिल करने के ढेरों फायदे

वया आप जानते हैं गाजर के जूस के फायदे

सर्दियों में गाजर हमारी सेहत के लिए काफई फायदेमंद होती है। लोग इसे कई तरीकों से खाना पसंद करते हैं। गाजर का जूस भी इन्हीं में से एक है, जिसके ढेरों फायदे होते हैं। सर्दियों में कई तरह की सब्जियां हमारी डाइट का हिस्सा होती हैं। गाजर इन्हीं सब्जियों में से एक है, जिसे सर्दियों में लोग कई तरीकों से अपनी डाइट में शामिल करते हैं। यह एक रूठ वैजिटेबल है, जो कई पोषक तत्वों से भरपूर है। आमतौर पर यह नारंगी रंग की होती है, लेकिन पीली, बैंगनी या लाल भी हो सकती हैं। गाजर

बहुत स्वास्थ्यवर्धक होती है और बीटा-कैरोटीन (जो शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है), फाइबर, विटामिन डी, पोटेशियम और एंटीऑक्सिडेंट जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इतना ही नहीं यह कम कैलोरी और लो फैट वाला भोजन भी है। लोग गाजर को कई तरीकों से खाना पसंद करते हैं। सलाद, सब्जी और अचार के अलावा लोग गाजर का हलवा भी बड़े शौक से खाते हैं। हालांकि, इसका जूस भी स्वादिष्ट होने के साथ ही सेहत के लिए काफी लाभकारी है। अगर आप इसके फायदों से अब तक अनजान है, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे गाजर का जूस पीने के हैरान करने वाले फायदे-

दिल-दिमाग के लिए गुणकारी

गाजर के जूस में मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे आपके दिल को काफी फायदा मिलता है। साथ ही गाजर के एंटीऑक्सिडेंट दिल की बीमारी के खतरे को भी कम कर सकते हैं।

पाचन बेहतर करे

अगर आप अपने पाचन को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो गाजर का जूस आपके लिए एक बढ़िया विकल्प है। इसमें मौजूद फाइबर

बेहतर पाचन तंत्र को सपोर्ट करता है। फाइबर मल त्याग को नियंत्रित करके कब्ज से बचाने में मदद कर सकता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

गाजर का रस पीने से त्वचा को समय से पहले बूढ़ा होने से रोक जा सकता है। यह आपकी त्वचा को सूख की किरणों से होने वाले नुकसान से बचाता है और आपकी स्किन को प्राकृतिक चमक देता है।

आंखों के लिए गुणकारी

गाजर विटामिन ए का एक बेहतरीन स्रोत है, जो हमारी आंखों के लिए काफी लाभकारी होता है। यही वजह है कि गाजर का जूस न सिर्फ पीने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसके कई आश्चर्यजनक स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट गुण

गाजर में बीटा-कैरोटीन जैसे एंटीऑक्सिडेंट शामिल होते हैं, जो ऑक्सिडेंटिव तनाव को कम करने में मदद करते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर

गाजर के रस में विटामिन और मिनरल समेत आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जो इम्युनिटी बढ़ाने के साथ ही सेहत को अन्य फायदे भी पहुंचाते हैं।

सोरायसिस के मरीज तकलीफ से बचे रहने के लिए ऐसे रखें सर्दियों में अपना ख्याल

परिवहन विशेष न्यूज

सोरायसिस स्किन से जुड़ी एक गंभीर समस्या है जिसमें त्वचा के ऊपर एक मोटी परत बन जाती है जिसमें तेज खुजली होती है और कई बार ये घाव भी बना देती है। त्वचा के अलावा स्केल्प में भी यह समस्या हो सकती है। सर्दियों में ड्राईनेस की वजह से ये परेशानी और ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसे में इन तरीकों से रखें अपना ख्याल।

सोरायसिस के मरीज तकलीफ से बचे रहने के लिए ऐसे रखें सर्दियों में अपना ख्याल

सोरायसिस के मरीज ऐसे रखें अपना ख्याल सोरायसिस स्किन से जुड़ी एक गंभीर समस्या है। इसमें स्किन में तेज खुजली व घाव बन सकते हैं।



सर्दियों में सोरायसिस के मरीज ऐसे रखें अपना ख्याल।

सोरायसिस स्किन से जुड़ी एक गंभीर समस्या है, जिसमें पर लाल रंग के चकते हो जाते हैं। दिखने में

तो खराब लगते ही हैं साथ ही इनमें बहुत भयंकर खुजली भी होती है। कई बार तो ये घाव बना देते हैं। ठंड के मौसम में सोरायसिस के मरीजों की समस्या और ज्यादा बढ़ जाती है। क्योंकि इस मौसम में सर्द हवाएं त्वचा की नमी छीन लेती हैं, तो अगर आप सोरायसिस की समस्या से परेशान हैं, तो इस मौसम में आपको थोड़ी एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है वरना ये परेशानी और ज्यादा बढ़ सकती है। ऐसे में आप यहां दिए गए उपायों की मदद से कर सकते हैं इस समस्या को आसानी से मैनेज। सर्दियों में इन चीजों से करें सोरायसिस को मैनेज

1. नारियल का तेल

नारियल का तेल बालों से लेकर स्किन तक के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें एंटी माइक्रोबियल, एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल जैसे कई गुण

होते हैं, जो सोरायसिस की वजह से होने वाले अन्य इन्फेक्शन्स को दूर रखते हैं। त्वचा को नमी प्रदान करते हैं जिससे ड्राइनेस की प्रॉब्लम नहीं होती। सर्दियों में सोरायसिस के गंभीर होने की एक बड़ी वजह ड्राइनेस होती है, तो जहां-जहां खुजली हो वहां नारियल तेल लगाएं।

2. एलोवेरा

एलोवेरा में मौजूद गुण त्वचा के लिए वरदान होते हैं। इसके लिए बस एलोवेरा की पत्तियों से इसका जेल निकालें। आप चाहें तो इसे ऐसे ही लगा लें या फिर किसी एंसेथियल ऑयल में मिलाकर भी लगा सकते हैं। 10 मिनट के बाद हटा सकते हैं। अगर आप सिर्फ एलोवेरा जेल लगा रहे हैं, तो इसे ऐसे भी लगाकर छोड़ सकते हैं, किसी तरह का नुकसान नहीं होता।

3. हल्दी

हल्दी में एंटीऑक्सिडेंट तत्व करक्यूमिन मौजूद होता है। जो घावों को भरने में बेहद फायदेमंद होता है। इसका पानी के साथ पेस्ट बनाकर स्किन पर लगाएं और 10 मिनट बाद धो लें।

4. दही

सोरायसिस के तकलीफ को कम करने में आप दही का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। दही में मौजूद तत्व स्किन की नमी को लॉक करके रखते हैं जिससे ड्राइनेस नहीं होती और ड्राइनेस का इलाज मतलब खुजली से राहत।

5. सेब का सिरका

सेब का सिरका भी सोरायसिस के उपचार के कारगर नुस्खों में से एक है।

मुल्तानी मिट्टी का करें इस्तेमाल, डैमेज्ड हेयर को रिपेयर करने में मिलेगी मदद

परिवहन विशेष न्यूज

अक्सर लोग एक्सपेरिमेंट करने के चक्कर में अपने बालों पर केमिकल ट्रीटमेंट करवाते हैं। लेकिन केमिकल्स के कारण बाल बहुत अधिक डैमेज हो जाते हैं। ऐसे में मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना आपके लिए अच्छा है। यह आपके बाल शाफ्ट को पोषण और मजबूत करने में मदद करता है। मुल्तानी मिट्टी को अक्सर महिलाएं अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करती हैं। लेकिन यह आपके बालों के लिए भी उतना ही लाभदायी है। दरअसल, इसमें अब्जॉर्बेंट प्रॉपर्टीज होती हैं, जिसके कारण यह आपकी स्केल्प से अतिरिक्त ऑयल को अब्सॉर्ब करने में मददगार है। इतना ही नहीं, यह आपके स्केल्प को भी कंडीशन करती है। इसमें कई तरह के खनिज पाए जाते हैं, जो स्केल्प को लाभ पहुंचाते हैं। तो वलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल बालों में करने के कुछ बेमिसाल फायदों के बारे में बता रहे हैं।

बालों को करता है कंडीशन

मुल्तानी मिट्टी से हेयर वॉश करने का एक सबसे बेहतरीन लाभ यह है कि यह आपके बालों की गंदगी को दूर करने के साथ-साथ उसे कंडीशन भी करता है। खासतौर से, अगर आपके बाल कर्ली हैं तो मुल्तानी मिट्टी के कंडीशनिंग गुण आपके बालों को मैनेजेबल बनाते हैं। सर्दियों में गुलाबी निखार पाने के लिए लगाएं टमटार के ये फेस पैक, निखरी-निखरी होगी



त्वचा डैमेज हेयर को करे रिपेयर

अक्सर लोग एक्सपेरिमेंट करने के चक्कर में अपने बालों पर केमिकल ट्रीटमेंट करवाते हैं। लेकिन केमिकल्स के कारण बाल बहुत अधिक डैमेज हो जाते हैं। ऐसे में मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना आपके लिए अच्छा है। यह आपके बाल शाफ्ट को पोषण और मजबूत करने में मदद करता है। जिससे आपके बाल चिकने और मुलायम बनते हैं। साथ ही, केमिकल ट्रीटमेंट से डैमेज्ड हेयर को रिपेयर करने में मदद मिलती है।

स्केल्प को डैमेज होने से बचाता है

मुल्तानी मिट्टी के इस्तेमाल से सिर्फ डैमेज्ड हेयर को रिपेयर करने में मदद ही नहीं मिलती

है, बल्कि यह स्केल्प को डैमेज होने से भी बचाता है। मुल्तानी मिट्टी को हेयर क्लींजर के रूप में इस्तेमाल करने से स्केल्प को क्लीन करने में मदद मिलती है और यह स्केल्प पर मौजूद कीटाणुओं व बैक्टीरिया को खत्म किया जा सकता है।

हेयर फॉलिकल्स होते हैं मजबूत

मुल्तानी मिट्टी में कई तरह के खनिजों और पोषक तत्व पाए जाते हैं। जिसके कारण यह ना केवल डैंड्रफ और परतदारपन को खत्म करके आपकी स्केल्प को स्वस्थ बनाती है बल्कि यह बालों की ग्रोथ को बेहतर बनाने के लिए आपके हेयर फॉलिकल्स को भी मजबूत बनाती है। अगर बालों के लिए मुल्तानी मिट्टी का उपयोग किया जाए तो इससे बाल मजबूत होते हैं और अपेक्षाकृत कम टूटते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

लोग अक्सर वैजिटेरियन और नॉन-वैजिटेरियन डाइट को लेकर बहस करते रहते हैं। कुछ लोग जहां शाकाहारी आहार को बेहतर मानते हैं तो वहीं कुछ मांसाहारी भोजन को पसंद करते हैं। हालांकि अब हाल ही में दोनों डाइट को लेकर एक अध्ययन सामने आया है जिसमें हीरान करने वाला खुलासा हुआ है। आइए जानते हैं क्या कहती है यह हालिया स्टडी-आठ हफ्तों में आपके दिल को हेल्दी बना सकती है ये डाइट, हालिया स्टडी में हुआ हैरान करने वाला खुलासा आपके दिल को हेल्दी बनाएंगी ये डाइट, स्टडी में हुआ खुलासा

लोग अक्सर वैजिटेरियन और नॉन-वैजिटेरियन डाइट पर बहस करते हैं।

अब हाल ही में इन पर एक स्टडी सामने आई है। स्टडी के मुताबिक वैजिटेरियन डाइट सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद है। सेहतमंद रहने के लिए हेल्दी डाइट बेहद जरूरी होती है। लोग अपनी पसंद के मुताबिक वैजिटेरियन और नॉन-वैजिटेरियन डाइट का



चुनाव करते हैं। हालांकि, लंबे समय से इन दोनों को लेकर बहस जारी है। कुछ लोगों का जहां यह मानना है कि वैजिटेरियन डाइट ज्यादा हेल्दी होती है, तो वहीं कुछ लोग नॉन-वैजिटेरियन डाइट को ज्यादा बेहतर मानते हैं। हालांकि, हाल ही में अब एक स्टडी सामने आई है, जिसने इस बहस पर थोड़ी देर के लिए विराम लगा दिया है।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए इस अध्ययन में पता चला कि लगातार 8 हफ्तों तक शाकाहारी डाइट फॉलो करने से दिल की बीमारी के खतरे को कम किया जा सकता है। यह स्टडी जेएएमए नेटवर्क ओपन जर्नल में प्रकाशित की गई है। आइए जानते हैं क्या है यह स्टडी

और क्या है इसका निष्कर्ष- क्या कहती है स्टडी?

इस स्टडी में 22 जोड़ी जुड़वां बच्चों को शामिल किया गया, जिनमें शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह की डाइट लेने वाले बच्चे शामिल थे। इस अध्ययन में यह पता चला कि नॉन-वैजिटेरियन डाइट लेने वाले बच्चों की तुलना में वैजिटेरियन डाइट लेने वाले बच्चों में खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) का स्तर, इंसुलिन की मात्रा और मोटापे का स्तर कम था।

वैजिटेरियन डाइट क्या है?

प्लांट बेस्ड डाइट, जिसे आमतौर पर शाकाहार के रूप में जाना जाता

फाइबर से भरपूर और लो कैलोरी होने की वजह से यह डाइट वेट मैनेजमेंट में मदद करती है। फलों, सब्जियों और साबुत अनाज में मौजूद फाइबर कब्ज को रोकने और पाचन में सुधारने में मदद करता है। शाकाहारी भोजन को ब्लड प्रेशर कम करने में भी मदद करता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि शाकाहारी भोजन कुछ कैंसर के खतरे को कम कर सकता है। वैजिटेरियन डाइट ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है। कुछ शोध बताते हैं कि वैजिटेरियन डाइट अपनाने से आपकी उम्र भी लंबी हो सकती है।



हिन्दी साहित्य एव उसके समर्पित साहित्यकारों की जन्म व कर्मभूमि रहा है विन्ध्यमण्डल : निशान्त पाण्डेय

- यहाँ जन्में ख्यातिलब्ध साहित्यकारों ने विभिन्न साहित्यिक युगों एवं विधाओं के माध्यम से हिन्दी साहित्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

परिवहन विशेष न्यूज गाजीपुर

स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में पूर्व शोध प्रबन्ध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्त्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुई, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।
उक्त संगोष्ठी में भाषा संस्कार के हिंदी विषय के शोधार्थी निशान्त पाण्डेय ने अपने शोध शीर्षक हिन्दी साहित्य के इतिहास में विन्ध्यमण्डल के साहित्यकारों का योगदानर नामक विषय पर शोध प्रबन्ध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए कहा

संक्षिप्त खबरें

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले, पीएम मोदी के संकल्प की हुई जीत, अन्य दल हार स्वीकार करें

सीतापुर
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी गुरुवार दोपहर को भाजपा जिला मुख्यालय पहुंचे। खैराबाद टोल प्लाजा पर जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने अन्य पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ उनका स्वागत किया। जहां से सीधा वह जिला भाजपा मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने दस मिनट भाजपा जिलाध्यक्ष व अन्य पदाधिकरियों से वार्ता की। इसके बाद मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल किया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प व आम कार्यकर्ताओं की मेहनत की जीत है। जनता से जो भी वादे किए गए, सब पूरे हो रहे हैं। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए लगातार काम किया जा रहा है। पीएम मोदी की गांठें में लोगों को विश्वास है। तेलंगाना में भी भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में चुनाव पीएम मोदी के चेहरे पर लड़ा गया था।
सेवानिवृत्त कर्मचारी जिनकी आयु 65 वर्ष पूर्ण नहीं है लिपिक के पदों पर पुनर्नियुक्त हेतु 11 दिसम्बर तक करें आवेदन- माओ जनपद न्यायाधीश

सोनभद्र। माननीय जनपद न्यायाधीश अशोक कुमार यादव प्रथम ने अवगत कराया है कि, जनपद न्यायालय से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारीगण जिनकी आयु 65 वर्ष पूर्ण नहीं हुई है को लिपिक के पदों पर पुनर्नियुक्त किया जाना है। पदों की संख्या से सयबन्धित योग्यता आयु आवेदन पत्र का प्रारूप व अन्य विवरण माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की अधिकारीक वेबसाइट www. alahabadhighcourt.in अथवा जनपद न्यायालय सोनभद्र की वेबसाइट http://districts.ecourts.gov.in/sonbhadra पर प्राप्त किया जा सकता है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुए 11 दिसम्बर,2023 तक किसी भी प्रकार दिवस में सांघ 05 बाजे तक प्रस्तुत किये जा सकते है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम ग्राम समयपूर में बलराम सिंह, ग्राम चितौड़ व ग्राम नाहल में जितेंद्र चितौड़ मुख्य अतिथियों की अध्यक्षता में सम्पन्न

- प्राकृतिक खेती और मुदा स्वास्थ्य कार्ड पर प्रगतिशील किसानों के साथ बातचीत की गयी। जिसमें किसान कनल कुमार व किसान नरेंद्र कुमार ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को खेती करने में सहायता मिलती है।

परिवहन विशेष न्यूज गाजियाबाद

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का आयोजन ग्राम समयपूर में श्री बलराम सिंह, ग्राम चितौड़ व ग्राम नाहल में श्री जितेंद्र चितौड़ मुख्य अतिथियों की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के शुरूआत में माननीय प्रधान मंत्री जी का रिकार्ड किया गया संदेश, विकसित भारत के लिए संकल्प वीडियो, प्रारम्भिक चलचित्र का प्रसारण किया गया। तदोपरांत योजनाओं के सफल लाभार्थियों द्वारा अपने अनुभव साझा किया गया। जिसमें ग्राम प्रधान व किसान प्रजरू ने अपने विचार साझा किये। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा से हर एक विभाग की उपलब्धियां दिखाई दे रही है। कृषि गतिविधियों पर सत्र ड़ोन प्रदर्शन, प्राकृतिक खेती और मृदा स्वास्थ्य कार्ड



कि विन्ध्यमण्डल के साहित्यकारों ने हिंदी साहित्य के विकास व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। इस दृष्टि से विन्ध्यमण्डल के प्रमुख साहित्यकारों में बदरीनारायण प्रेमधन, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, राजेन्द्रबाला घोष, पान्डेय बेचन शर्मा उग्र, कुशवाहा कान्त , ज्ञानरंजन, डॉ॰ किशोरी लाल गुप्त इत्यादि के साहित्यिक अवदान पर सारगर्भित वक्तव्य दिया। विन्ध्यमण्डल, हिन्दी साहित्य व उसके समर्पित साहित्यकारों की जन्म एवं कर्मभूमि रही है। यहाँ जन्में ख्यातिलब्ध

साहित्यकारों ने विभिन् साहित्यिक युगों एवं विधाओं के माध्यम से हिन्दी साहित्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रगढ़ पांडित्य और विशाल मानवता वादी दृष्टिकोण की विविधताओं में साहित्य के अतिरिक्त इतिहास, दर्शन, पुरातत्व और कला आदि सभी विषयों के विकास का मार्ग विन्ध्यमण्डल ने प्रशस्त किया है।

प्रस्तुतिकरण के बाद विभागीय शोध समिति, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ व प्राध्यापकों तथा शोध छात्र-छात्राओं द्वारा शोध पर विभिन् प्रकार

के प्रश्न पूछे गए जिनका शोधार्थी निशान्त पाण्डेय ने संतुष्टिपूर्ण एवं उचित उत्तर दिया। तत्पश्चात समिति एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफे॰ (डॉ॰) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने शोध प्रबंध को विश्वविद्यालय में जमा करने की संस्तुति प्रदान किया। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफे॰ (डॉ॰) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रोफे॰ (डॉ॰) जी॰ सिंह, मुख्य नियंता प्रोफेसर (डॉ॰) एस॰ डी॰ सिंह परिहार, शोध निर्देशक डॉ॰ संजय चतुर्वेदी एवं हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ॰) विनय कुमार दुबे, डॉ॰ धर्मेन्द्र निषाद, डॉ॰ मनोज कुमार मिश्र, डॉ॰ भोलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ॰ अतुल कुमार सिंह एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण तथा शोध छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे। अंत में अनुसंधान एवं विकास प्रोकोष्ठ के संयोजक प्रोफे॰(डॉ॰) जी॰ सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अब पांच साल बाद नए सिरे से बनाई जा सकेगी हर सड़क, रखरखाव की जिम्मेदारी निर्माण फर्म की होगी

- अभी लागू व्यवस्था में राज्यमार्गों का नवीनीकरण 4, प्रमुख व अन्य जिला मार्गों का 5 और ग्रामीण मार्गों का नवीनीकरण 8 वर्ष बाद किया जाता है।

परिवहन विशेष न्यूज लखनऊ

उत्तर प्रदेश में अब सभी श्रेणियों की सड़कों का पांच साल बाद नवीनीकरण हो सकेगा। पांच साल की अवधि में सड़कों के रखरखाव की जिम्मेदारी भी निर्माण करने वाली फर्म की होगी। इसके लिए उसे सड़क की लागत का 2.5 से 2.5 प्रतिशत तक अतिरिक्त भुगतान करना होगा। पीडब्ल्यूडी ने इन बदलावों के लिए प्रस्ताव तैयार कर लिया है। इसे शीघ्र कैबिनेट में मंजूरी के लिए



रखा जाएगा। अभी लागू व्यवस्था में राज्यमार्गों का नवीनीकरण 4, प्रमुख व अन्य जिला मार्गों का 5 और ग्रामीण मार्गों का नवीनीकरण 8 वर्ष बाद किया जाता है। वहीं, राज्य मार्गों, प्रमुख व अन्य जिला मार्गों के लिए दोष निवारण अवधि एक वर्ष और ग्रामीण मार्गों के लिए दो वर्ष लागू है।

प्रस्तावित व्यवस्था में कहा गया है कि सभी श्रेणियों की सड़कों के निर्माण और रखरखाव के लिए

दीर्घकालिक दोष निवारण अवधि को 5 वर्ष किया जाएगा। इसके लिए टेकेदार को निश्चित राशि का भुगतान भी होगा। उच्च श्रेणी के मार्गों यानी राज्य मार्ग, प्रमुख जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग, शहरी मार्ग व बाईपास के मामले में रखरखाव राशि निर्माण लागत की 2.5 प्रतिशत होगी। ग्रामीण मार्गों के मामले में यह लागत की 7.5 प्रतिशत होगी। यह अवधि सड़क का निर्माण पूरा होने पर प्रारंभ मानी जाएगी।

प्रकाश जूनियर पब्लिक इंग्लिश स्कूल के छात्र छात्राओं ने मनाया सेना झंडा दिवस

परिवहन विशेष न्यूज सोनभद्र

निकाली रैली, शपथ लिया कि हम भविष्य में सेना में भर्ती होकर भारत माता की सुरक्षा करेंगे

सोनभद्र। प्रकाश जूनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल प्रभापुरम एवं टैंगौर नगर मे स्थित विद्यालय के छात्र छात्राओं के द्वारा संयुक्त रूप से गुरुवार को सेना झंडा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र छात्राओं के द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें बच्चों ने सैनिकों की वर्दी पहन कर शपथ ली कि, हम भविष्य में सेना में भर्ती होकर भारत माता की सुरक्षा करेंगे। भारत के अंदर किसी भी प्रकार की प्राकृतिक एवं मानवीय आपदा आने पर भारत वासियों की सुरक्षा के



लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। भारत माता की रक्षा करने के लिए हम अपने जीवन का बलिदान देने के लिए तैयार रहेंगे। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने -ए वतन वतन मेरे आबाद रहे तू , मोहे रंग दे बसंती, झंडिया वाले, ए मेरे वतन के लोगों की गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। जिसमें पलक, आरोही, ख्याति, आराध्या , खुशी , सोम्या , ओम, अक्षरा, यशराज, काव्या

आदि छात्र छात्राओं ने अभिनय प्रस्तुत किया। भारतीय सशस्त्र सेवा के कर्मियों के कल्याण, दिव्यांग, पूर्व सैनिकों, युद्ध में वीरगति प्राप्त हुए सैनिकों की विधवाओं, शहीदों के परिवार जनों की देखभाल करने के लिए धन एकत्रित करने के लिए छात्र-छात्राएं उत्साहित रहे। विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने बताया कि, आज सैनिकों के गौरव का दिन

हल्की सी बारिश की वजह से बिजली व्यवस्था हुई धराशाही सरकारी कार्य सहित प्राइवेट एजेंसियां भी हुई प्रभावित

दुल्लहपुर-गाजीपुर, क्षेत्र में जर्जर तारों की वजह से दिन भर विद्युत कर्मियों द्वारा बिजली फाल्ट सही किया गया फिर भी रात से ही बिजली फाल्ट ढूँढने में बिजली कर्मचारी लग रहे पूरे दिन भर बिजली ट्रिप करती रही प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्युत उपकेंद्र दुल्लहपुर से काफी दूर-दूर तक बिजली की सप्लाई दी गई है जहां हल्की सी भी बारिश व हवा के कारण कहीं ना कहीं फाल्ट कर जाता है जिससे क्षेत्र में करीब दर्जनों बैंक और एटीएम है जहां कुछ जगह पर बैंक के अंदर तो जनरेटर इनवर्टर से कार्य लिया जाता है लेकिन जरूरतमंद उपभोक्ताओं को आधार फोटो स्टेट, या जरूरी दस्तावेज की फोटो कॉपी कराने के लिए दिनभर इधर-उधर भटकना पड़ता है जिससे कार्य प्रभावित होता है वहीं इसी विद्युत-केंद्र से दुल्लहपुर थाने सहित चौकी पर बिजली आपूर्ति की व्यवस्था होती है जहां पूर्व में ही जनरेटर खराब होने की सूचना उच्च अधिकारियों को थाने द्वारा दी गई है लेकिन उसकी मरम्मत नहीं हो पाती है जानकारी देते हुए बताया कि रात से ही बिजली गायब है जनरेटर पूर्व में ही कुछ दिनों से खराब है जिसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई है लेकिन अभी तक उसकी मरम्मत नहीं हो पाई साथ ही 12 घंटा से अधिक बिजली गायब होने की वजह से अधिकांश भी बैंट गया है जिससे प्रिंट आउट निकालने सहित लोगों को जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने में असुविधा हो रही है जिसकी कुछ हदों बिजली का ना होना और फाल्ट बताया गया इसी तरह कई प्राइवेट सरकारी अन्य प्रतिष्ठान भी बिजली न होने से प्रभावित रहे।

कैसे होगा धान खरीद का टारगेट पूरा, एक महीने बाद भी 51 क्रय केंद्रों पर नहीं हुई बोहनी

चंदौली जिले में प्रदेश सरकार धान की खरीद की मंशा जिले में परवान नहीं चढ़ पा रही है। जनपद में डेढ़ सौ से अधिक क्रय केंद्र खोले गए हैं, लेकिन उनमें से 51 क्रय ऐसे हैं, जिन पर एक महीने बाद भी बोहनी नहीं हुई है। धान की खरीद धीमी होने के बाद समय से लक्ष्य को पूरा करना मुश्किल दिख रहा है। साथ ही मौसम की मार भी किसानों पर भारी पड़ सकती है, क्योंकि मौसम की खराबी के कारण विभाग अधिकारियों को माने तो धान की खरीद में तेजी नहीं आ रही है।

जिले में धान खरीद के लिए 154 क्रय केंद्र खोले गए, लेकिन 103 क्रय केंद्रों पर खरीदारी शुरू हो गई है। अभी तक 51 ऐसे केंद्र हैं जहां पर खरीदारी शुरू नहीं हो पाई। शासन की ओर से जनपद में खरीद के लिए ढाई लाख मेट्रिक टन खरीदारी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, लेकिन अब तक मात्र 17 हजार कुंतल ही धान की खरीद हो पाणी।

शादी के सात दिन बाद ऐसे हाल में मिली लाश, देखकर कांप गए घरवाले, परिवार में मातम

परिवहन विशेष न्यूज आगरा

उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में नई नवेली दुल्हन की हत्या कर दी गई। उसकी लाश कमरे में फंदे पर लटकी हुई थी और पैर जमीन से छू रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मायके वालों ने देहेज हत्या का आरोप लगाया है। थाना जगदीशपुरा के गद्दी भदीरिया निवासी आनंद कुमार ने अपनी बेटी संध्या की शादी 29 नवंबर यानि सात दिन पहले हरीपर्वत के रतनपुरा निवासी ज्ञानेंद्र सिंह के साथ की थी। ज्ञानेंद्र सिंह दिल्ली में प्राइवेट करवा करता है। आनंद कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी

सरकार की महत्वपूर्ण योजना के तहत लगी स्ट्रीक लाइटें बनी शोपीस ,किसने लगवाया यह भी ग्रामीणों को पता नहीं

● इन लाइटों की खोजबीन भी करने वाला कोई नहीं है कि यह लाइट लगी है तो जल रही है या चोरी हो गई वहीं जब कहीं किसी गांव में यह लाइट खराब हो जाती है

परिवहन विशेष न्यूज गाजीपुर

दुल्लहपुर-गाजीपुर, जखनियां ब्लाक अंतर्गत कुछ गांव में लगी स्ट्रीट लाइट शो पीस बनकर रह गई जिन में कई जगह तो यह स्थिति है कि लाइट लगी है लेकिन उसमें कनेक्शन तक नहीं है कई जगह लाइटिंग लगी ताकि गांव रोड गली में उजाला रहे लेकिन जिनके घर लगी वह उसे खोलकर घर में लगा लिए।

इन लाइटों की खोजबीन भी करने वाला कोई नहीं है कि यह लाइट लगी है

तो जल रही है या चोरी हो गई वहीं जब कहीं किसी गांव में यह लाइट खराब हो जाती है तो शिकायत करने के बावजूद



भी इनकी मरम्मत नहीं हो पाती है मामला कुछ इसी तरह का हरदासपुर खुर्द गांव में भी है की इस गाँव में कितनी लाइट आई थी, कितनी लगी है ,उनमें स्ट्रीक लाइट जबसे लगी कुछ दिन तक जली लेकिन उसके बाद 90 फीसदी लाइट खराब हो चुके हैं और आज तक कोई भी इनकी मरम्मत व देखरेख करने नहीं आया आज भी लोग इसी तरह अंधेरे में आने-जाने को मजबूर है

जिनके घर लगा है उनके द्वारा शिकायत करने के बावजूद कोई भी

मरम्मत करने नहीं आया वहीं इसकी जिम्मेदारी भी कोई नहीं ले रहा है कि आखिर कौन और किस योजना के तहत इसे लगाया है जब लगी तो गाँव के छोटैभैया नेता बोले यह हमारे प्रयास से जिलापंचायत कोटे से लगवाया जा रहा है लेकिन आज जब खराब हो गई हैं तो उनका भी पता नहीं चल रहा है जहाँ आज भी श्यामलाल,हँसराज, विंध्याचल, राजन,रामवचन,रामअवध आदि कई घरों के पास पोल पर लगी स्ट्रीक लाईट खराब हैं ।



हैसियत के हिसाब से बेटी को देहेज में आँट्टी कार और तीन लाख रुपये की नकदी दी थी। शादी के तीन दिन बाद तीन दिसंबर को बेटी विदा होकर घर आई। बेटी ने बताया था कि पति शराब पीते हैं। इस पर आनंद कुमार ने दामाद को फोन कर शराब पीने से मना किया। दामाद ने कहा कि शादी की पार्टी

की वजह से शराब पी थी। आगे से वो ऐसा नहीं करेंगे। इस दौरान बेटी ने ये भी कहा था कि सास ने उसे ये भी ताना मारा कि बेटे के देहेज में बड़ी कार मिल रही थी, यहां से तो छोटी कार ही दी गई। हालांकि पिता ने इन बातों को नजर अंदाज कर दिया। पांच दिसंबर को बेटी के ससुराल वाले विदा कराकर फिर

से ले गए। इसके बाद छह दिसंबर की शाम के आनंद कुमार के पास फोन आया कि संध्या कमरे में फंदे पर लटक रही है। इस सूचना पर परिवार के लोग पुलिस के लेकर बेटी की ससुराल पहुंचे। यहां बेटी की लाश को कमरे में फंदे पर लटका देख मायके वालों के होश उड़ गए। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था, लेकिन खिड़की की कुंडी खुली हुई थी। मायके वालों और पुलिस के शक इस बात पर हो रहा है कि लाश के पैर जमीन से छू रहे थे। ऐसे में घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मायके वालों ने देहेज हत्या का आरोप लगाया है।

बेसिक व माध्यमिक स्कूलों में रामायण से जुड़े प्रसंगों पर होगी प्रतियोगिता

परिवहन विशेष न्यूज लखनऊ

अयोध्या में मयादां पुरुषोत्तम श्रीराम का दिव्य-भव्य मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर जहां प्रदेश भर में विभिन् कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं प्रदेश सरकार स्कूली बच्चों में श्रीराम के आदर्शों को उतारने का भी काम करेगी। रामायण से जुड़े प्रसंगों पर चित्रकला, लेखन, वेशभूषा व रामायण गायन आदि प्रतियोगिताएं होंगी। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करना है। रामायण से जुड़े विभिन् प्रसंगों पर बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में होंगी प्रतियोगिताएं प्रदेश सरकार में और से रामायण से जुड़े विभिन् प्रसंगों पर आधारित चित्रकला, लेखन, वेशभूषा व रामायण गायन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता यूपी के सभी बेसिक व माध्यमिक स्तर



के विद्यालयों में होगी। यही नहीं अयोध्या के विभिन् घाटों व स्थलों पर रामायण से जुड़ी कलाकृतियों की स्थापना की जानी है। इन कलाकृतियों की आधुनिक रूप से साज-सज्जा प्रस्तावित है। कलाकृतियों के निर्माण का कार्य उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी लखनऊ के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है।1100 करोड़ रुपये खर्च कर होंगे आयोजन संस्कृति विभाग की ओर से

अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के आयोजन के दृष्टिगत लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। रामोत्सव के अंतर्गत प्रतियोगिताओं व मूर्तिकला-चित्रकला के जरिए युवाओं को प्रेरित करने के लिए भी बजट खर्च होगा। प्रतियोगिताओं पर 4 करोड़ और मूर्तिकला-चित्रकला पर ढाई करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। युवाओं को रामायण के प्रसंग से अवगत करने के उद्देश्य से होने वाला यह कार्यक्रम अलौकिक, दिव्य व भव्य होगा।

प्रियंका मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में विशाल विज्ञान प्रदर्शनी तथा बाल मेला ससमारोह हुआ संपन्न

- अतिथियों द्वारा गत सत्र की संपादित परीक्षाओं, शैक्षणिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न विद्यालय के विभिन्न क्रियाकलापों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा पदक

परिवहन विशेष न्यूज गाजीपुर

छात्र-छात्राओं की छिपी प्रतिभा को उजागर कर, उनका उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से प्रियंका मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल यूसुफपुर खंडवा के प्रांगण में विशाल विज्ञान प्रदर्शनी तथा बाल मेला ससमारोह संपन्न हुआ। सीबीएसई बोर्ड से संचालित ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी मेधा का प्रयोग कर बाल मेले में चार चॉट लगा दिया। बाल मेले में छात्र छात्राओं के ज्ञानवर्धक, मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों से लदे स्टालों तथा विज्ञान प्रदर्शनी में प्रदर्शित विज्ञान, तकनीकी,मानवीय संरचना, पंचांगमुखी से निकलते लावा, ज्वालामुखी संरक्षण, सौर मंडल, सोलर ऊर्जा, रासायनिक प्रतिक्रियाएं, चन्द्रयान के सफल परीक्षण का उच्च स्तरीय प्रदर्शन



देखकर उपस्थित जन समुदाय भावविभोर हो उठा। लोगों ने मुक्त कंठ से उनकी सराहना की।इससे पूर्व समारोह का शुभारंभ अध्यक्ष, मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर तथा माल्यार्पण कर किया गया। अतिथियों द्वारा गत सत्र की संपादित परीक्षाओं, शैक्षणिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न विद्यालय के विभिन्न क्रियाकलापों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा पदक तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा कार्यक्रम के अध्यक्ष डा.ए.के. राय जोनल सचिव उ.प्र. अपराध निरोधक समिति लखनऊ, मुख्य

अतिथि डा. इन्दीवर रतन पाठक प्रोफेसर पीजी कालेज गाजीपुर तथा विशिष्ट अतिथि डा.अविनाश राय प्रोफेसर पीजी कालेज गाजीपुर व राजीव मिश्रा प्रवक्ता इण्टर कालेज मलिकपुरा को पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्रम तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने सारगर्भित उद्बोधन में अतिथियों ने ऐसे कार्यक्रम के आयोजन के लिए विद्यालय संरक्षक कृष्ण दत्त द्विवेदी तथा शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के साथ साथ ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों से छात्र छात्राओं में जहां मानसिक विकास तीव्र होता है,

वहीं उनमें छिपी प्रतिभा उजागर होती है। उनका उसी प्रतिभा को निखारकर शिक्षक उनके लक्ष्य निर्धारण में सहयोग करता है। कार्यक्रम में प्रेम सिंह रतन, विजय भान सिंह, सदीप सिंह मिंटू, के. पांडेय, दुर्गेश विश्वकर्मा, नायाब रजा, इशितयाक अंसारी,डी एन मिश्रा, रवेता सिंह, दिनेश सिंह, शैलेश सिंह, धनंजय पांडेय, ज्ञानेंद्र गुप्ता, विनोद गुप्ता, जेपी यादव अखिलेश यादव सहित काफी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य जन तथा अभिभावक बंधु उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन संरक्षक कृष्ण दत्त द्विवेदी तथा संचालन छात्र वैष्णवी सिंह व आर्या सिंह ने संयुक्त रूप से किया।



संक्षिप्त खबरें

गोतस्करी मामले में कोर्ट में हुई मौजू मानेसर की गवाही

गुरुग्राम। गो तस्करों के खिलाफ गवाही देने के लिए मौजू मानेसर को बुधवार की दोपहर गुरुग्राम कोर्ट में पेश किया गया। मौजू की गवाही के बाद उसे वापस भोंडसी जेल भेज दिया गया। इस बीच कोर्ट परिसर में पुलिस का सख्त पहरा रहा। 19 अप्रैल 2022 को मौजू की टीम को गो तस्करों द्वारा गाय ले जाने की सूचना मिली थी। जिसके बाद मौजू व उसकी टीम ने गोतस्करों का एंबियंस मॉल के पास से पीछा करना शुरू किया। गोतस्करों के टाटा टैपो का टायर फट गया लेकिन टैपो नहीं रोका और पीछा कर रहे गोरक्षकों की गाड़ी पर ज़िदा पशु फेंकनी शुरू कर दी। इस दौरान कई पशु फेंकने के बाद फायर भी किए गए। गोतस्कर करीब 22 किलोमीटर तक बिना टायर के ही टैपो को भगाते रहे और आखिरकार सोहना रोड हाईवे पर भोंडसी थाना पुलिस ने चार आरोपियों को दबोच लिया। यादया, बल्लू, तसलीम, खालिद उर्फ भैंसा, साहिद, शौकीन उर्फ सूंझा के खिलाफ गो संवर्धन एक्ट, सख्त्न अधिनियम व हत्या के प्रयास की धाराओं में भी केस दर्ज किया गया। इस मामले में मौजू शिकायतकर्ता भी है और मुख्य गवाह भी है। मौजू को कोर्ट में करीब दो बजे पेश किया गया। करीब डेढ़ घंटे तक वह कोर्ट में रहा।

बेटी की सगाई के लिए रखे दो लाख रुपये लेकर मां फरार

बल्लभगढ़। बेटी के लगन सगाई के पैसे लेकर मां घर से फरार हो गई। महिला को परिवार वालों ने अपने स्तर पर काफी तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। महिला करीब सात साल पहले भी अपने एक मित्र के साथ चली गई थी। थाना सेक्टर-8 पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पटेल नगर निवासी ओमवीर ने बताया कि उनकी पत्नी सुनीता एक दिवंगर की घर से अपने माता-पिता से मिलने के लिए आई थी। पांच दिन बीत जाने के बाद भी जगह वापस नहीं आई तो उन्होंने साले राक्षस को फोन करके पूछा। उन्हें पता चला कि सुनीता अपने माता-पिता के घर गई ही नहीं। उनकी पत्नी चावला कॉलोनी में स्थित प्ले स्कूल में सफाई करमी के रूप में काम करती है। पत्नी सुनीता घर से लगभग दो लाख रुपये नकद लेकर गई है, जो उन्होंने अपनी बेटी की सगाई के लिए रखे हुए थे। नकद रुपये के साथ जरूरी दस्तावेज व बैंक की पासबुक लेकर गई। उन्होंने सुनीता के बैंक खाते में करीब ढाई लाख रुपये जमा किए थे। उनकी पत्नी सुनीता एक मित्र अर्जुन के साथ सात साल पहले भी चली गई थी। सुनीता के साथ काम करने वाले कर्मियों ने बताया कि अर्जुन स्कूल में सुनीता से मिलने आता था। थाना सेक्टर 8 पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीएमश्री स्कूलों में खेल की सुविधाएं होगी दुरुस्त

फरीदाबाद। पीएम श्री राजकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। अब स्कूल में खेल की सुविधाएं सुधैया कराई जाएंगी। स्कूल में खेल का सामान उपलब्ध कराने के लिए 50 हजार रुपये प्रत्येक स्कूल को मिलेगे। खेल के मैदान के लिए तीन लाख रुपये का बजट सुधैया कराया जाएगा। पीएमश्री राजकीय स्कूलों में अब खेल की सुविधाएं बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए मुख्यालय से स्वीकृति मिल गई है। स्कूलों में छात्रों के खेल में रुचि के अनुसार खेल के सामान सुधैया कराया जाएगा। स्कूल में शारीरिक शिक्षक और योग शिक्षक को भी तैयार किया जाएगा। स्कूली छात्रों के रुचि की पहचान कर उन्हें बेहतरीन खिलाड़ी के रूप में तैयार किया जाएगा। जिससे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी पहचान बना सकें। वहीं, स्कूलों में खेल मैदान को भी दुरुस्त किया जाएगा। स्कूलों में रोजाना योग भी कराने का निर्णय लिया गया है। स्कूलों के नवीनीकरण के रूप में एक करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट खर्च किया जाएगा। जिले में तीन राजकीय स्कूलों को पीएम श्री स्कूल बनाया गया है। खेल की सुविधाएं दुरुस्त करने के बाद पीएम श्री स्कूलों में फिजिक्स, रसायन और बायो लैब भी बनाई जाएंगी। वर्जन पीएम श्री स्कूल में खेल की सुविधाएं जल्द सुधैया कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई है।

कलेक्टर रेट पर आपत्ति दर्ज कराने का आज आखिरी मौका

● इन कलेक्टर रेट पर अपनी आपत्तियां व सुझाव दे सकेगे। दावे व आपत्तियों को सुनने के बाद प्रशासन की तरफ से कलेक्टर रेट सरकार के पास भेज दिए जाएंगे।

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। प्रशासन की ओर से वर्ष 2024 में प्रॉपर्टी के लिए प्रस्तावित नए कलेक्टर रेट पर आपत्तियां दर्ज करने का बृहत्समितार को आखिरी मौका है। प्रशासन ने जनता से सात दिसंबर तक प्रस्तावित दरों पर आपत्तियां मांगी हैं। प्रशासन द्वारा पिछले दिनों जारी की गई नई कलेक्टर रेट सूची में बादशहापुर, फर्रुखनगर, वजीराबाद, मानेसर, सोहना, पटौदी और हरसरू क्षेत्र में प्रस्तावित किए गए नए प्रॉपर्टी रेट में सबसे अधिक वजीराबाद क्षेत्र में नाथपुर, डीएलएफ क्षेत्र में सबसे अधिक दर प्रस्तावित है। गांव से शहर के बीच की परिपाटी बन रहे इस क्षेत्र में रिहायशी और व्यावसायिक दोनों ही क्षेत्र में प्रॉपर्टी के दाम में 60 से 70 फीसदी बढ़ी हुई कीमतें प्रस्तावित की गई हैं। जिला प्रशासन की ओर से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में प्रस्तावित नए कलेक्टर रेट



डिजिटल वेबसाइट पर डाले गए हैं। लोग सात दिसंबर तक इन कलेक्टर रेट पर अपनी आपत्तियां व सुझाव दे सकेगे। दावे व आपत्तियों को सुनने के बाद प्रशासन की तरफ से कलेक्टर रेट सरकार के पास भेज दिए जाएंगे। प्रस्तावित कलेक्टर रेट की जानकारी आमजन के लिए वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। जिला स्तर पर प्रस्तावित कलेक्टर रेट अब आपत्तियां आने के बाद संशोधित किए जाएंगे। इसके लिए जनता से आपत्तियां मांगी गई हैं। आपत्तियों व सुझावों के लिए जिला लघु सचिवालय स्थित एचआरए शाखा

में कमरा नंबर 212 में संपर्क कर सकते हैं। जिला राजस्व अधिकारी पुनम बब्बर ने बताया कि दर्ज आपत्तियों पर सुझाव पर विचार किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग कमेटियां काम करेंगी। सभी तरह के सुझाव को ध्यान में रखते हुए नए प्रस्तावित रेट व सुझाव राज्य सरकार को भेजे जाएंगे। सरकार की ओर से निर्धारित कमेटी अपनी प्रक्रिया पूरी कर प्रशासन को सूचना भेजेगी। उन्होंने बताया कि नए कलेक्टर रेट लागू होने के बाद नए दर से ही रजिस्ट्रियां होगी। प्रशासन की ओर से सुझाए गए बादशहापुर में कृषि और

व्यावसायिक जमीन की दर में 80 से 40 फीसदी बढ़ी हुई कीमतें प्रस्तावित की गई हैं। इसमें चासोला में रिहायशी जमीन में 43 फीसदी बढ़े हुए रेट प्रस्तावित हैं। टीकली के व्यवसायिक जमीन में 43 फीसदी, रामगढ़ की ढाणी में व्यावसायिक क्षेत्र में 43 फीसदी, रोज वुड सिटी की व्यावसायिक जमीन में 87 फीसदी, तत्वम विलास, बिक्टर वैली, एम्मार मारवैला के रिहायशी क्षेत्र के दामों में 61 फीसदी तक बढ़ी हुई कीमतें प्रस्तावित की गई हैं। फर्रुखनगर में कृषि योग्य जमीन को 87 फीसदी और व्यावसायिक जमीन में 35 फीसदी रेट में बढ़े हुए दाम प्रस्तावित किए गए हैं। वजीराबाद में रिहायशी और व्यावसायिक जमीन में 61 से 70 फीसदी रेट में बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं। इसमें नाथपुर में रिहायशी जमीन के दाम 61 फीसदी तक बढ़ सकते हैं। डीएलएफ फेज -1 से पांच तक जिले में सबसे अधिक डीएलएफ-5 में रिहायशी और व्यावसायिक प्रॉपर्टी में 70 फीसदी तक जमीन के दाम में बढ़ोतरी हो सकती है। सात दिसंबर तक स्थानीय लोग प्रॉपर्टी कलेक्टर रेट पर आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। इसके बाद इस संबंध में कोई मौका नहीं मिलेगा।

दूषित स्थानों से 15 वर्षीय बच्चे का लिबर फेल

फरीदाबाद। बाहर खाना खाने से 15 वर्षीय निशांत का लिबर फेल हो गया। किशोर लंबे समय तक बुखार, पीलिया, पेट में दर्द और उल्टी से ग्रस्त रहा। हालत खराब होने पर उसे वेंटिलेटर तक रखा गया। एक निजी अस्पताल में उपचार के बाद अब उसकी स्थिति बेहतर है। सेक्टर-16 स्थित मैरिगे एशिया अस्पताल में पेट एवं लिबर रोग विभाग के निदेशक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बीर सिंह सहरावत ने बताया कि बच्चे को बुखार, पीलिया, पेट में दर्द और उल्टी की समस्या से दिमाग की सर्जरी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 50 हजार रुपये को जुमाना भी लगाया है। फतेहाबाद के सुमित गोदारा ने पुलिस को दी शिकायत में कहा था कि जीजा आकाशदीप चचेरे भाई विकास के साथ गाड़ी में सवार होकर 27 सितंबर 2016 को अपनी बहन को दिल्ली एयरपोर्ट पर छोड़ने के लिए आए थे। सुबह करीब साढ़े 9 बजे उसे दिल्ली एयरपोर्ट पर छोड़कर आकाशदीप व विकास अपनी गाड़ी में सवार होकर गुरुग्राम गए थे। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे आकाशदीप और विकास के नंबर पर कॉल की तो उन्होंने बताया कि विकास साथी के साथ बलेनो गाड़ी में गुरुग्राम आधे घंटे बाद विकास ने फोन कर उनसे 50 लाख रुपये मांगे। इसी दौरान उनसे फोन लेकर एक व्यक्ति ने बताया

साइबर टगों ने रिटायर्ड ब्रिगेडियर को सेक्सटॉर्शन में फंसाया

● इसी बीच पीड़ित यह देखकर हैरान रह गया कि जिस नंबर पर पैसे भेजे गए हैं, वह उसी युवती का था, जिसने उसे अश्लील वीडियो कॉल की थी।

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। साइबर टगों ने एक महिला को मदद से रिटायर्ड ब्रिगेडियर को सेक्सटॉर्शन में फंसा लिया और पैसे ठग लिए। साइबर टगों ने पीड़ित को बताया कि युवती ने आत्महत्या कर ली है। पांच लाख में मामला निपट सकता है। रिटायर्ड ब्रिगेडियर ने इसकी एवज में दो लाख रुपये टगों के बताए नंबर पर भेज दिए। इसी बीच पीड़ित यह देखकर हैरान रह गया कि जिस नंबर पर पैसे भेजे गए हैं, वह उसी युवती का था, जिसने उसे अश्लील वीडियो कॉल की थी। खास बात यह थी कि युवती अपने नंबर पर ऑनलाइन थी। इसके बाद ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने पुलिस में मामला दर्ज कराया। सेक्टर-56 निवासी सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर ने पुलिस में दो शिकायतें में बताया कि फेसबुक मित्र सोनिया शर्मा के मोबाइल पर व्हाट्सएप के माध्यम से चैट करना था। उसने 12 नवंबर को वीडियो कॉल उठाने का अनुरोध किया और उन्होंने उठा लिया था। दूसरी ओर एक नम



लड़की थी। इस पर उन्होंने कॉल काट दी और महिला को अपने फेसबुक आईडें मैसेंजर मित्र सूची से हटा दिया था। 15 नवंबर को एक युवक का फोन आया और बताया कि उनका एक अश्लील वीडियो बनाया गया है और सोशल मीडिया पर अपलोड किया जा रहा है। पीड़ित ने बताया कि कुछ देर बाद एक दूसरी कॉल आई। आरोपी ने खुद को क्राइम ब्रांच दिल्ली से प्रेम प्रकाश बताया। उनकी डीपी में प्रेम प्रकाश की पुलिस वर्दी में तस्वीर थी। आरोपी ने कहा कि उनका अश्लील वीडियो उसने देखा है। आरोपी ने कहा कि फेसबुक और यूट्यूब एजेंट से संपर्क कर उसे

हटवा दें। फेसबुक प्रतिनिधि से बात करने पर कुछ पैसे देने को कहा गया। इसके बाद क्राइम ब्रांच से एक पुलिस कर्मी का फोन आया और बोला कि सोनिया ने आत्महत्या कर ली है और ब्रिगेडियर को आरोपी ठहराते हुए एक सुसाइड नोट छोड़ा है। लड़की के माता-पिता दिल्ली में क्राइम ब्रांच कार्यालय में हैं और पांच लाख रुपये की मांग कर रहे हैं। इस पर उन्होंने दो लाख देना स्वीकार कर लिया। पीड़ित के अनुसार, दिया गया नंबर सोनिया का मिला और वह ऑनलाइन थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया और मामले की जांच कर रही है।

अपहरण कर फिरौती मांगने वाले तीन को उम्रकैद की सजा

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। दो लोगों का अपहरण कर 50 लाख रुपये की फिरौती मांगने के मामले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तरुण सिंघल की अदालत ने तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 50 हजार रुपये को जुमाना भी लगाया है। फतेहाबाद के सुमित गोदारा ने पुलिस को दी शिकायत में कहा था कि जीजा आकाशदीप चचेरे भाई विकास के साथ गाड़ी में सवार होकर 27 सितंबर 2016 को अपनी बहन को दिल्ली एयरपोर्ट पर छोड़ने के लिए आए थे। सुबह करीब साढ़े 9 बजे उसे दिल्ली एयरपोर्ट पर छोड़कर आकाशदीप व विकास अपनी गाड़ी में सवार होकर गुरुग्राम गए थे। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे आकाशदीप और विकास के नंबर पर कॉल की तो उन्होंने बताया कि विकास साथी के साथ बलेनो गाड़ी में गुरुग्राम आधे घंटे बाद विकास ने फोन कर उनसे 50 लाख रुपये मांगे। इसी दौरान उनसे फोन लेकर एक व्यक्ति ने बताया



कि दोनों का अपहरण कर लिया गया है और उन्होंने दोनों को छोड़ने की एवज में 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी। मामले में पुलिस की अपराध शाखा-2 सेक्टर-17 को सूचना मिली कि युवकों का अपहरण करने वाले गिरोह के दो सदस्य दिल्ली के इनामी बदमाश शक्ति उर्फ शारदा, करण उर्फ किम्मी उर्फ कुशल अपने एक अन्य साथी के साथ बलेनो गाड़ी में गुरुग्राम में लूट की वारदात को अंजाम देने पहुंच रहे हैं। इस पर अपराध शाखा ने 8 नवंबर की रात को नाकाबंदी

करते हुए बिना नंबर की बलेनो गाड़ी को रुकवाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने गाड़ी को भगा दिया और पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आरोपियों का पीछा किया तो बलेनो धनवापुर के पास पलट गई। पुलिस ने तीनों को काबू कर लिया। पृष्ठताछ के दौरान आरोपियों से उक्त वारदात का भी खुलासा हुआ। अभियोजन पक्ष ने अदालत में जो सबूत व गवाह पेश किए, उनसे आरोपियों पर लगे अपहरण कर फिरौती मांगने के आरोप साबित हो गए।

घर खाली न करने वाले परिवारों को

आपदा प्रबंधन एक्ट के तहत नोटिस जारी

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। चिंटेलस के पांच असुरक्षित टावरों में रहने वाले परिवारों को अब प्रशासन ने नोटिस थमा दिया है। प्रशासन का तर्क है कि असुरक्षित टावर में हाससे की जिम्मेदारी समझते हुए लोगों को जल्द से जल्द यह टावर खाली करने होंगे। इस बीच यहां रहने वाले लोगों की समस्याओं पर बिल्डर को विचार करना होगा। बिल्डर को नोटिस की तब समेत अवधि में ही अपने सिरे से पहल कर बीच का रास्ता निकालना होगा। द्वारका एक्सप्रेसव-वे के सेक्टर-109 स्थित चिंटेलस पेराडाइसो में बार-बार हो रहे हादसों के बाद अब इसके पांच असुरक्षित टावरों को गिराने की तैयारी है। हालांकि पांच में से जी और एच टावर अभी भी 15 परिवार अपना घर

छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में इन परिवारों को सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने घर खाली करने के नोटिस थमाए हैं। बावजूद इसके अभी भी इन परिवारों ने घर खाली करने का मन नहीं बनाया है। दरअसल, कुल नौ टावर वाली चिंटेलस पेराडाइसो सोसायटी में कम से कम 15 और अधिकतम 20 परिवार के टावर बनाए गए हैं। आईआईटी दिल्ली की विशेषण टीम के अनुसार चिंटेलस के पांच टावर डी, ई, एफ, जी, एच असुरक्षित घोषित हैं। हालांकि जी टावर की तकनीकी रिपोर्ट अभी भी लिबित है। बावजूद इसके प्राथमिक रिपोर्ट में इसे असुरक्षित ही माना गया है। साथ ही अन्य चार टावरों की सुरक्षा रिपोर्ट में कुछ और शर्तें जोड़ने के लिए आग्रह किया है। हादसे के बाद चर्चा में आए चिंटेलस के असुरक्षित टावर बीते साल

पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता। मौजूदा समय में कुल 288 में से 132 फ्लैट मालिक पूरी तरह से अपना मन बनाकर बिल्डर के सुझाए दो में से एक विकल्प के साथ अपना घर खाली कर चुके हैं। इसमें से 110 परिवार बिल्डर को सेल डीड तक सौंप चुके हैं। ज्यादातर निशांत कुमार यादव ने एक प्रेसवार्ता में कहा था कि आईआईटी दिल्ली के एक्सपर्ट्स की संरचनात्मक जांच में यह टावर रहने योग्य नहीं पाया गया है। ऐसे में इसे ध्वस्त किया जाएगा। प्रशासन और टावर निवासियों के सभी सुझाव विचार के बाद ही दो विकल्प बिल्डर की ओर से दिए गए। ज्यादातर परिवारों ने दो में से एक विकल्प अपनाते हुए बिल्डर को अपना मत स्पष्ट कर दिया है। बावजूद इसके 15 परिवार अपनी जिद पर बने हुए हैं।

10 फरवरी को गुरुग्राम के सेक्टर-109 स्थित चिंटेलस पेराडाइसो सोसाइटी के टावर डी की छठी मंजिल की छत का एक हिस्सा गिर गया था। इसमें दो लोगों की मौत हो गई थी और करीब आधे दर्जन लोग घायल हो गए थे। हादसे के करीब नौ महीने बाद गुरुग्राम के उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने एक प्रेसवार्ता में कहा था कि आईआईटी दिल्ली के एक्सपर्ट्स की संरचनात्मक जांच में यह टावर रहने योग्य नहीं पाया गया है। ऐसे में इसे ध्वस्त किया जाएगा। प्रशासन और टावर निवासियों के सभी सुझाव विचार के बाद ही दो विकल्प बिल्डर की ओर से दिए गए। ज्यादातर परिवारों ने दो में से एक विकल्प अपनाते हुए बिल्डर को अपना मत स्पष्ट कर दिया है। बावजूद इसके 15 परिवार अपनी जिद पर बने हुए हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद। एनआईटी स्थित अंतरराष्ट्रीय राजा नाहर सिंह क्रिकेट स्टेडियम का रुका निर्माण कार्य एक बार फिर रफ्तार पकड़ेगा। इसके लिए फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) की ओर से जल्द नए सिरे से सर्वे कराया जाएगा। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर निर्माण कार्य को गति दी जाएगी। प्राधिकरण की तरफ से टेंडरिंग प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राजा नाहर सिंह स्टेडियम में सबसे पहला मैच 1993 में खेला गया था, जिसमें भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव भी शामिल थे। वहीं, 26 जनवरी 1998 को इस स्टेडियम की नई बिल्डिंग तैयार हुई थी, जिसका उद्घाटन कपिल देव ने किया था। कपिल देव के क्रिकेट में दिए गए महान योगदान को सम्मान देते हुए उस समय यहां बनाए गए नए पवेलियन का नाम कपिल पवेलियन रखा गया था। इसके बाद अंतिम मैच वर्ष 2006 में 31 मार्च को भारत-इंग्लैंड के बीच खेला गया था। इसके अलावा दर्जनों एंजली ट्राफी, देवधर, दलीप ट्रॉफी आदि मैचों के सफल आयोजन हुए हैं, लेकिन बाद में स्टेडियम में मैचों का आयोजन राजनीति का

शिकार होता चला गया। इसलिए स्टेडियम समय व मानकों के अनुरूप अपग्रेड भी नहीं हुआ। यह पिछड़ा चला गया। बड़खल विधायक सीमा त्रिखा की मांग पर जून 2015 में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बड़खल में आयोजित रेली स्टेडियम को नए सिरे से बनाने की घोषणा की थी। वर्ष 2018 में करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण कार्य शुरू हुआ। बाद में यह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया और टेक्टैडर ने काम बंद कर दिया। हालांकि इस मामले में बिजिलेंस जांच के भी आदेश दिए गए हैं। स्टेडियम की हालत खस्ताहाल पिछले साल 28 जुलाई को विधानसभा अध्यक्ष द्वारा गठित विधायकों की समिति ने निर्माण कार्य को देखने के लिए स्टेडियम में विधायकों की कमेटी ने दौरा किया था, तब भी स्टेडियम के अंदर बदहाली का यही आलम था। चारों तरफ खास और झाड़ियां मैदान पर दिखाई दे रही थीं। मैदान में बड़ी मशीनें कबाड़ हो चुकी है। आज भी वही दृश्य नजर आता है। जब भी फरीदाबाद में इंटरनेशनल मैच खेला जाता था, तो देश-विदेश से फरीदाबाद के राजा नाहर सिंह स्टेडियम में लोग आते थे, लेकिन स्टेडियम के खस्ताहाल होने के बाद से यहां मैच बंद है।

अगले साल जिले में छह जगहों पर

जन औषधि केंद्र खोलने की तैयारी

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम। नगर निगम और जिला रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से अगले वर्ष तक जिले में छह जन औषधि केंद्र खोलने की तैयारी है। इसके लिए जिला प्रशासन मध्यस्थता करेगा। जगह की उपलब्धता के आधार पर इन केंद्रों की संख्या बढ़ने की भी उम्मीद है। फिलहाल नगर निगम अपने सिरे पर जन औषधि केंद्र खोलने के लिए जगह तलाशने में जुटा है। जन औषधि केंद्र के जरिये उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं बाजार दरों की तुलना में 50 से 70 फीसदी तक सस्ती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिले में अलग-अलग जगहों पर यह केंद्र खोलने की योजना है। फिलहाल जिला सिविल अस्पताल में यह केंद्र खोलने के लिए लाइसेंस प्रक्रिया पूरी की गई है। उधर, जिले के अलग-अलग स्थानों पर नगर निगम के साथ मिलकर जिला रेडक्रॉस यह केंद्र खोलेगा। इसके लिए जिला स्तर पर जगह की तलाश शुरू कर दी गई है। जगह की उपलब्धता के आधार पर जन औषधि केंद्रों की संख्या में कम या ज्यादा हो सकती है। वर्तमान में चार आईटी-सक्षम पीएमबीजेपी के गोदाम हैं। इसमें से एक गुरुग्राम में



और शेष तीन चेन्नई, गुवाहाटी और सूरत में मौजूद हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के लिए प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परि योजना (पीएमबीजेपी) के माध्यम से जनता को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती दवाएं केंद्र सरकारी योजना के जरिए उपलब्ध कराई जा रही हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10,000वें जन औषधि केंद्र का लोकार्पण कर चुके हैं। जिला रेड क्रॉस के सचिव विकास कुमार ने बताया कि जन औषधि सरकारी महत्वाकांक्षी योजना है। इसके लिए रेड क्रॉस अपने सिरे से पूरा सहयोग कर रहा है। हाल

एथलेटिक में फरीदाबाद ने जीता कांस्य

● महिलाओं की 4 गुणा 100 मीटर रिले दौड़ में जीत की टीम 51.27 सेकेंड में पूरा कर पहले स्थान पर रही। फरीदाबाद की टीम 51.42 सेकेंड में पूरा कर दूसरे स्थान पर रही।

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद। सेक्टर-12 खेल परिसर में चल रहे राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ बुधवार को संपन्न हो गया। महिलाओं की एथलेटिक टीम स्पर्धा में फरीदाबाद की टीम 28 प्वाइंट लेकर कांस्य जीता। फतेहाबाद की टीम 32 प्वाइंट लेकर स्वर्ण और भिवानी की टीम को 29 प्वाइंट लेकर रजत जीता। लड़कों की टीम स्पर्धा में 37 प्वाइंट लेकर भिवानी की टीम पहले, 35 प्वाइंट लेकर फतेहाबाद की टीम दूसरे और रेवाड़ी टीम 22 प्वाइंट लेकर तीसरे स्थान पर रही। लड़कों के 100 मीटर दौड़ में सोरोपत के रमन ने 10.89 सेकेंड में लक्ष्य पूरा कर पहले स्थान पर रहे। झज्जर के रजत ने 11.06 सेकेंड में पूरा कर दूसरे और रोहतक के आकाश 11.10 से में पूरा कर तीसरे स्थान पर रहे। 1400 मीटर दौड़ में झज्जर के मंजीत ने 54.40 सेकेंड में पूरा कर पहले स्थान पर रहे। फतेहाबाद के शुभम ने 58.42 सेकेंड में पूरा कर दूसरे और फरीदाबाद के रंजीव ने 59.53 सेकेंड में पूरा कर



तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में हिसार की रितिका ने 1 मिनट 3 सेकेंड 81 नैनो सेकेंड में पूरा कर पहले स्थान पर रही। फरीदाबाद की कृति 16.06.89 नैनो सेकेंड में पूरा कर दूसरे और भिवानी की निकुंज 16.33.30 नैनो सेकेंड में पूरा कर तीसरे स्थान पर रही। फरीदाबाद की टीम 51.42 सेकेंड में पूरा कर दूसरे और जीत के बिंदु 14.30.40 नैनो सेकेंड में पूरा कर तीसरे स्थान पर रहे। महिला की 400 मीटर दौड़ में कुरुक्षेत्र की अंजली देवी 17.52.03 में पूरा कर प्रथम रही। हिसार की अनिता 18.21.68 नैनो सेकेंड में पूरा कर दूसरे और सोनीपत की भुसका 18.32.46 नैनो सेकेंड में पूरा कर तीसरे स्थान पर

रही। तीन किलोमीटर दौड़ में फतेहाबाद की खुशदीप कौर 15.54.70 नैनो सेकेंड में पूरा कर पहले स्थान पर रही। फरीदाबाद की कृति 16.06.89 नैनो सेकेंड में पूरा कर दूसरे और भिवानी की निकुंज 16.33.30 नैनो सेकेंड में पूरा कर तीसरे स्थान पर रही। फरीदाबाद की टीम 51.42 सेकेंड में पूरा कर दूसरे और जीत के बिंदु 14.30.40 नैनो सेकेंड में पूरा कर तीसरे स्थान पर रहे। महिला की 40.9 मीटर फेंक दूसरे और पानीपत की खुशी 39.37 मीटर फेंक कर तीसरे स्थान

EV: नितिन गडकरी ने ईवी निमाताओं को लिथियम-आयन बैटरी कचरे को डंप करने को लेकर दी चेतावनी

परिवहन विशेष न्यूज

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि सरकार पर्यावरण पर लिथियम-आयन बैटरी कचरे को डंप करने के दुष्प्रभावों के बारे में किसी भी रिपोर्ट को गंभीरता से लेगी।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि सरकार पर्यावरण पर लिथियम-आयन बैटरी कचरे को डंप करने के दुष्प्रभावों के बारे में किसी भी रिपोर्ट को गंभीरता से लेगी।

और विभिन्न अपशिष्ट पदार्थों की रिसाइकलिंग के लिए सर्कुलर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रही है।



लिथियम-आयन बैटरी के निर्माण की प्रक्रिया में शामिल श्रमिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि लाइफ साइकल (जीवन चक्र) पूरा करने के बाद इन बैटरियों को डंप करने से पर्यावरण पर असर पड़ता है। और पृथ्वी जहरीली हो जाती है और मिट्टी की उर्वरता (उपजाउपन) खराब हो जाती है।

जवाब में, गडकरी ने कहा, हमारे पास ऐसी इस दिशा में काम कर रही है। राजमार्ग मंत्री ने कहा कि भारत अगले पांच वर्षों में इलेक्ट्रिक कारों, बसों, ट्रकों का निर्यात करने वाला अग्रणी देश बन जाएगा।

उन्होंने सदन को यह भी बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में सर्कुलर इकोनॉमी की बात की है। और इसके तहत हम कार स्क्रेपिंग, रबर को बिटुमिन के साथ रिसाइकल करते हैं और प्लास्टिक का इस्तेमाल सड़क निर्माण में किया जा रहा है।

उन्होंने सदन को बताया कि सरकार ने इकोलॉजी (पारिस्थितिकी) और पर्यावरण की रक्षा के लिए सड़क निर्माण में नगरपालिका के ठेस कचरे का इस्तेमाल किया है।

उन्होंने कहा, हमारा देश सालाना 16 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य का जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल) आयात करता है। और दिल्लीवासियों को यह समझाने की कोई जरूरत नहीं है कि यहां प्रदूषण का स्तर क्या है।

लिथियम बैटरी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी चार केमिस्ट्री हैं। और एल्युमीनियम स्टील आयन बैटरी और एल्युमीनियम एयर टेक्नोलॉजी पर काम चल रहा है।

उन्होंने बताया कि जहां पेट्रोल वाहन को चलाने की लागत 100 रुपये से 110 है, वहीं इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत सिर्फ 10 रुपये है।

उन्होंने कहा कि लिथियम-आयन बैटरी की लागत जो 150 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोवाट घंटा थी, अब घटकर 115 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोवाट घंटा हो गई है। उनका मानना था कि वर्तमान में पेट्रोल या डीजल वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहन की लागत ज्यादा है।

इलेक्ट्रिक वाहन बहुत लोकप्रिय हैं। एकमात्र समस्या यह है कि पेट्रोल/डीजल वाहन और ई-वाहन के बीच लागत का अंतर है... ई-वाहन महंगी है और यह बिक्री पर निर्भर करता है। जब बिक्री बढ़ेगी, तो मुझे लगता है कि, यह मेरा अनुमान है, मैं आपको यह वादा नहीं कर रहा हूं कि, डेढ़ साल के भीतर पेट्रोल, डीजल और ई-वाहन की कीमत एक समान हो जाएगी।

सर्दियों में बाइक पर करते हैं सफर, करें इन चार राइडिंग गियर का उपयोग, रहेंगे सुरक्षित

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आप भी सर्दियों के समय बाइक पर सफर करते हैं। तो किन राइडिंग गियर्स का उपयोग करने पर ठंड से सुरक्षित रहा जा सकता है। आइए जानते हैं।

देश में बड़ी संख्या में लोग दो पहिया वाहनों का उपयोग करते हैं। ऐसे में सर्दियों के समय बाइक पर सफर करने में परेशानी होती है।

लेकिन अगर कुछ राइडिंग गियर्स का उपयोग किया जाए तो ठंड से सुरक्षित रहा जा सकता है। ऐसे चार गियर्स की जानकारी हम इस खबर में आपको दे रहे हैं। वयों जरूरी हैं राइडिंग गियर्स किसी भी अच्छे बाइक राइडर के लिए राइडिंग गियर्स का उपयोग करना वैसे तो हर मौसम में जरूरी होता है। इससे ना सिर्फ गर्मी, बारिश और ठंड से बचा जा सकता है। बल्कि गियर्स का उपयोग करने से हादसों से भी सुरक्षा मिलती है।

हेलमेट का उपयोग

वैसे तो किसी भी मौसम में दो पहिया का उपयोग करना जरूरी होता है। लेकिन अगर आप सर्दियों के समय हेलमेट का उपयोग करते हैं, तो आप सफर के दौरान लगने वाली ठंड से बच सकते हैं। ठंड के समय हेलमेट के अंदर एक खास लाइनिंग होती है, जिससे हवा अंदर नहीं जा पाती और ठंड नहीं लगती।

पहनें गलक्स

बाइक चलाते हुए वैसे तो हमेशा गलक्स को पहनना चाहिए। लेकिन अगर आप सर्दियों के समय इसका उपयोग करते हैं, तो आप ठंड से सुरक्षित रह सकते हैं। हेलमेट की तरह अच्छी क्वालिटी के बाइक गलक्स में खास लाइनिंग होती है, जो राइडर को ठंड में हवा से बचाती है।

जैकेट भी पहनें

बाइक पर सर्दियों के समय सफर के दौरान सीधी हवा राइडर के शरीर के ऊपरी हिस्से पर लगती है। ऐसे में ठंड के साथ ही हादसों से सुरक्षित रहने के लिए जैकेट का भी उपयोग करना जरूरी होता है। कई कंपनियों की ओर से राइडर्स के लिए विंटर जैकेट भी बनाई जाती है, जो सुरक्षा देने के साथ ही ठंड से भी बचाती है।

राइडिंग जूते भी हैं जरूरी

बाइक राइड करते हुए अच्छी क्वालिटी के राइडिंग जूतों की भी काफी जरूरत होती है। अगर सर्दियों में विंटर शूज का उपयोग किया जाता है, तो इससे ठंड से भी सुरक्षित रहने में मदद मिलती है।



ईवी बैटरी की बढ़ती मांग के बीच निकेल सल्फेट कॉन्ट्रैक्ट का हो रहा अध्ययन, जानें डिटेल्स

परिवहन विशेष न्यूज

लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) निकल सल्फेट कॉन्ट्रैक्ट शुरू करने की संभावना तलाश रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरियों में इस सामग्री की बढ़ती मांग के कारण एलएमई यह विचार कर रहा है।

लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) निकल सल्फेट कॉन्ट्रैक्ट शुरू करने की संभावना तलाश रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरियों में इस सामग्री की बढ़ती मांग के कारण एलएमई यह विचार कर रहा है।

एलएमई के उत्पाद विकास विभाग के एक अधिकारी आइवी वयूई ने उद्योग से इनपुट मांगते हुए।

सीमित दिलचस्पी का पता चला।

एबैक्स टेक्नोलॉजीज इंक के स्वामित्व वाला एक नया सिंगापुर स्थित एक्सचेंज, एबैक्स कमोडिटीज एक्सचेंज ने अक्टूबर में साल के आखिर तक निकल सल्फेट के लिए दुनिया का पहला वायदा कॉन्ट्रैक्ट पेश करने की योजना का खुलासा किया। वायदा अनुबंध मूल्य स्थिरता और वित्तीय योजना के लिए हेजिंग मैकेनिज्म करते हुए उत्पादकों, औद्योगिक उपभोक्ताओं और निवेशकों को उत्पादों का व्यापार करने के लिए एक सुविधाजनक साधन प्रदान करते हैं।

निकल सल्फेट अनुबंध की संभावित शुरूआत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और बैटरी टेक्नोलॉजी के संदर्भ में निकल के बढ़ते महत्व के अनुरूप है।



दोपहिया बाजार को लंगे पंख , अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री दशार्ती है बढ़ती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय दोपहिया बाजार में नवंबर 2023 में महीने-दर-महीने 49.05 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी देखी गई है। जिसमें अक्टूबर 2023 के महीने में देश में बेची गई 15.08 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर की तुलना में 22.47 लाख यूनित्स से ज्यादा की बिक्री हुई है। भारतीय दोपहिया बाजार में नवंबर 2023 में महीने-दर-महीने 49.05 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी देखी गई है। जिसमें अक्टूबर 2023 के महीने में देश में बेची गई 15.08 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर की तुलना में 22.47 लाख यूनित्स से ज्यादा की बिक्री हुई है। बिक्री में बढ़ोतरी का श्रेय घनतेरस और दिवाली की त्योहारी अवधि को दिया जा सकता है। इन दोनों त्योहार को घर में नया वाहन लाने के लिए शुभ मौका माना जाता है।

यह भी एक ज्ञात तथ्य है कि बड़ी संख्या में दोपहिया वाहनों की बिक्री ग्रामीण बाजारों से होती है।

हालांकि त्योहारी सीजन ने निश्चित रूप से बिक्री को बढ़ावा दिया होगा। लेकिन किसी एक कारक के कारण बिक्री में इतनी



मात देता रह सकता है। नवंबर 23 के महीने में भी पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 21.08 प्रतिशत की साल-दर-साल बढ़ोतरी देखी गई। जिसमें 3.91 लाख से अधिक अतिरिक्त दोपहिया वाहन बेचे गए।

दोपहिया वाहन उद्योग ने पिछले महीने सर्वकालिक उच्च बिक्री का आंकड़ा हासिल किया। जबकि भारतीय ऑटो रिटेल उद्योग ने 28.54 लाख वाहनों की कुल बिक्री दर्ज की। इस तरह मार्च '20 के पिछले उच्च स्तर को पार कर गया जब उद्योग ने बीएस 4 से बीएस 6 में ट्रांजिशन के लिए के दौरान 25.69 लाख वाहन बेचे थे।।

FADA के अध्यक्ष मनीष राज सिंघनिया ने कहा, दू-व्हीलर श्रेणी के लिए, इस महीने में ऑटो रिटेल में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई। जिससे यह सर्वकालिक उच्च रिटेल में शामिल हो गया, जो कि दीपावली के त्योहारी उत्साह से उत्साहित है और कृषि आय में बढ़ोतरी के कारण मजबूत ग्रामीण भावनाओं में वृद्धि हुई है।

नए उत्पाद लॉन्च और बेहतरीन मॉडल आपूर्ति ने बाजार की बढ़ोतरी को और बढ़ावा दिया, जबकि इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री में उत्साहजनक इजाफा देखा गया।

भविष्य में बिक्री में कमी आ सकती है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि मंदी का असर पैसेंजर कार सेगमेंट पर भी पड़ सकता है। हालांकि, नवंबर में देखी गई बढ़ोतरी कई पूर्वानुमानों के उलट थी। इसलिए जब तक अर्थव्यवस्था बढ़ती रहेगी और नीतिगत माहौल अच्छा रहेगा, भारत नकारात्मक पूर्वानुमानों को

बड़ा इजाफा संभव नहीं है। यह बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण ग्रामीण बाजारों में मजबूत खरीदार भावना को दशार्ता है। हालांकि, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (FADA) (फाडा) का कहना है कि चुनौतियां बनी हुई हैं क्योंकि रबी की खेती पर प्रतिकूल मौसम की स्थिति ग्रामीण आय को प्रभावित कर सकती है, जिससे नजदीकी

बड़े बाजार के रूप में स्थापित हो चुका भारत...

विभिन्न प्रकार के आईफोन, लैपटॉप, टेबलेट आदि उच्चतम स्तर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद का निर्माण करने वाली विश्व की सबसे बड़ी कम्पनियों में से एक ऐपल भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना कर रही है एवं आईफोन का निर्माण तो भारत में प्रारम्भ भी कर दिया है। वर्ष 2024 में एप्पल कम्पनी भारत में एक लाख करोड़ रुपए के आई फोन का उत्पादन करेगी, ऐसी योजना इस कम्पनी ने बनाई है। इन आईफोन का न केवल भारत में निर्माण किया जा रहा है बल्कि भारत में निर्मित इन आईफोन को विश्व के कई देशों, विकसित देशों सहित, को निर्यात भी किया जा रहा है। वर्ष 2014 में भारत में केवल 6 करोड़ मोबाइल फोन का निर्माण प्रतिवर्ष हो रहा था जो आज बढ़कर 30 करोड़ से अधिक मोबाइल फोन प्रतिवर्ष हो गया है। इसी प्रकार चीन, जापान एवं दक्षिण कोरिया की सबसे बड़ी कम्पनियों में से एक सैमसंग नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी भी भारत में ही मोबाइल फोन का निर्माण कर रही है और अपने ही देश यथा जापान एवं दक्षिण कोरिया की मोबाइल फोन का भारत से निर्यात भी कर रही है। अर्थात, इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा भारत में उत्पादों का निर्माण कर अपने ही देश को भारत से निर्यात किया जा रहा है।4 वर्ष पूर्व तक भारत अपनी मोबाइल फोन की कुल आवश्यकता का 81 प्रतिशत भाग अन्य देशों से आयात करता था परंतु अब अपने देश में 100 प्रतिशत आपूर्ति करने के बाद अपने कुल उत्पादन का 25 प्रतिशत भाग निर्यात करता है। अमेरिका की डेल एवं एचपी नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भी भारत में आईटी हार्डवेयर का निर्माण करने हेतु विनिर्माण इकाईयों की स्थापना कर रही हैं। अमेरिका की इन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को भारत में विनिर्माण इकाई स्थापित करने हेतु अनुमति भी मिल चुकी है। चीन की एक लेनोवो नामक कम्पनी भी भारत में आईटी हार्डवेयर निर्माण हेतु एक इकाई की स्थापना करने जा रही है। जबकि उक्त समस्त बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की चीन में विनिर्माण इकाईयां पूर्व से ही स्थापित हैं, परंतु अब चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के उद्देश्य से चीन+1 पॉलिसी के तहत यह समस्त कम्पनियां भारत में भी अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना कर रही हैं। इसी प्रकार, ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में भी भारत विनिर्माण केंद्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। अब भारत में निर्मित कारों पूरी दुनिया में बिक रही हैं। जापान की बहुत बड़ी कार निमातां कम्पनी सुजुकी नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी भारत में कारों का निर्माण कर विश्व के 100 से अधिक देशों को निर्यात कर रही है। जापान की हुण्डाई, होण्डा एवं सुजुकी नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत को अपना ऑटोमोबाइल केंद्र बना रही हैं। हुण्डाई तो भारत में अपने कुल उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत भाग निर्यात कर रही है। ये समस्त कम्पनियां जापान की हैं और भारत में करों का निर्माण कर जापान को ही निर्यात कर रही हैं। कपड़ों के निर्माण करने वाले बड़े बड़े अंतरराष्ट्रीय ब्राण्ड भी कपड़ों का उत्पादन करने हेतु अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भारत में कर रही हैं। आज भारत से भारी मात्रा में कपड़ों का निर्यात पूरे विश्व को किया जा रहा है। दवाईयों एवं टीकों के निर्माण के क्षेत्र में भारत पहिले से ही वैश्विक स्तर पर एक शक्ति के रूप में अपने आप को स्थापित कर चुका है। हाल ही के समय में, भारत सुरक्षा के क्षेत्र में भी अपनी पैठ बना रहा है एवं भारत ने 85 देशों को 16,000 करोड़ रुपए के उपकरण एवं हथियार निर्यात किए हैं। सेमी-कंडकटर चिप का निर्माण करने वाली बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भी अब भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित करने जा रही हैं। मेक इन इंडिया अब बहुत बड़ी ताकत बनता जा रहा है। उक्त वर्णित कारकों के चलते वित्तीय वर्ष 2023-24 की द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2023) के दौरान भारत में उद्योग के क्षेत्र में 13.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि विनिर्माण के क्षेत्र में 13.9 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज हुई है और इससे उद्योग के क्षेत्र में भी अब रोजगार के भरपूर अवसर निर्मित हो रहे हैं। चीन से विनिर्माण इकाईयों के अन्य देशों में स्थानांतरित होने के पीछे दरअसल चीन की नीतियां ही अधिक जिम्मेदार हैं। एक तो चीन में श्रम की लागत बहुत तेजी से बढ़ी है और अब कई कम्पनियों की इसके चलते उत्पादन लागत बढ़ रही है और उनकी लाभप्रदता पर विपरीत असर पड़ रहा है। दूसरे, चीन में सस्ते युवा श्रम की पसंदा लगातार कम हो रही है क्योंकि चीन में जन्म दर बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है और बुजुर्गों की संख्या लगातार बढ़ रही है। चीन बहुराष्ट्रीय कम्पनियों पर पैनी नजर रखता है और कब किस कम्पनी पर किस कारण से किस्त प्रकार का जुमाना लगाया जाएगा, कुछ पता नहीं रहता है। इस कारण से कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की चीन पर विश्वसनीयता भी कम हो रही है।

अच्छा हुआ हम वैसे नहीं हैं



दक्षिण के किसी चर्चित फिल्म अभिनेता के निधन पर दो पहुंचे हुए अभिनेता आपस में फोन पर बातचीत कर रहे हैं- हेलो! सुना क्या? साउथ का कोई हीरो मर गया है। अभी-अभी टीवी पर समाचार देखा। सुनकर बड़ा दुख हुआ। हां-हां मैंने भी देखा। वह तो बड़ा सुपरस्टार था। लोगों में उसकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। होगी भी क्यों न? बंदे ने काम ही ऐसे किए थे। अनाथाश्रम, पाठशालाएँ, गौशालाएँ, मुफ्त भोजन व्यवस्था, जरूरतमंदों की सहायता जो करता था। हमेशा जनसेवा का भूत उसके सिर पर सवार रहता था। यह तो बहुत बुरा हुआ। क्यों न हम भी उसके दुख में शामिल हो जाएँ। एक कंडीलेस वाला टवीट तो कर ही सकते हैं। वरना दुनिया क्या सोचेगी? अरे! कहीं तू पागल तो नहीं हो गया? टवीट करने के चक्कर में कहीं ट्रेल-ब्रोल हो गया तो लेने के दने पड़ जाएंगे। ऊपर से बेइज्जती अलग होगी। अरे भाई! तू दो-चार गुटखों के विज्ञापन में है और मैं दो-चार शराब वाले में। अगर ऐसे में कोई टवीट कर देते हैं तो लोग हमारी खूब खिंचाई करेंगे। जनसेवा तो दूर हमने बिना मतलब के आज तक किसी को घास तक नहीं डाली है। यह सोचकर ही मेरे रोगटी खड़े हो जाते हैं। हां यार! तू सही कहता है। भूल गया क्या लॉकडाउन में ऐसे ही किसी अभिनेता ने हमारी पतलून डिली कर दी थी। उस पर जनसेवा का ऐसा भूत सवार हुआ कि हमारा घर से निकलना दुश्वार हो गया था। ऊपर से मीडिया वालों की चिक-किच अलग से। सही कहता है तू! सबसे अच्छा चुपचाप बैठो। दुनिया से कनी काट लो। दो-चार दिन बाद मामला ठंडा पड़ जाएगा। क्यों फालतू मे मुसीबत मोल लें। जैसा चल रहा है वैसा चलने दो। मान्यता को मागे गोली। चुपचाप पड़े रहो एक कोने में। इतना कहते हैं दोनों ने फोन रख दिया।

चुनाव हारने वाली हर पार्टी हार का पहला टीकरा ईवीएम मशीन पर ही क्यों फोड़ती है



लेखक : अशोक भाटिया

यह जग जानी बात है कि हर फेल होने वाला छत्र अपने फेल होने का टीकरा परीक्षक के ऊपर मढ़ता है उसी प्रकार चनाव में हारने वाला या हारने की संभावना वाला हर उम्मीदवार हार का टीकरा ईवीएम , प्रशासन और चुनाव आयोग पर ही फोड़ता है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा में हारने के बाद कांग्रेस के कई नेता ईवीएम पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। यहां तक कि एम्पी के दो बार सीएम रह चुके और कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने साफ-साफ कहा कि उन्हें तो ईवीएम पर भरोसा ही नहीं है रविवार को अपनी हार स्वीकार करने वाले कमलनाथ ने भी पैतरा बदला। भोपाल में सभी विजयी और पराजित उम्मीदवारों के साथ बैठक के बाद कमलनाथ ने आरोप लगाया कि चुनाव में हेराफेरी हुई है। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने अपनी पार्टी के नेताओं को हृदयतः दी कि हार को स्वीकार नहीं करना है, इस हार के लिए ईवीएम को जिम्मेवार ठहराना है। कांग्रेस ने मंगलवार को भोपाल में अपनी हार का विश्लेषण करने के लिए विधायकों, हारे हुए उम्मीदवारों और सीनियर नेताओं की बैठक बुलाई थी। हारे हुए उम्मीदवारों से कहा गया कि वे हार के कारण बताएं। हर नेता अपनी अलग अलग रिपोर्ट बनाकर दे लेकिन रिपोर्ट आने से पहले ही कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने हार की वजह बता दी। दिग्विजय सिंह ने कहा

इसीलिए उनको ईवीएम पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। मीटिंग के बाद कमलनाथ खुलकर नहीं बोले। उन्होंने कहा कि सबको पता है

कि क्या हुआ,एक्जिट पोल भी तय थे और नतीजे भी।

कमलनाथ ने सवाल उठाया कि 10 घंटे चलने के बावजूद

ईवीएम गिनती वाले दिन 99 परसेंट कैसे चार्ज्ड नजर

आई। कमलनाथ ने सवाल किया कि एक विधायक को

अपने ही गांव में 5 वोट भी नहीं मिले, ये कैसे हो सकता

है? कांग्रेस को हराया गया है, ईवीएम के जरिए साजिश

हुई है, अब ईवीएम के इस्तेमाल का विरोध होना

चाहिए।

कि उनकी पार्टी ईवीएम में गड़बड़ियों की वजह से

हारी, ईवीएम से छेड़खानी की गई, कांग्रेस के वोट घटाए

गए, भाजपा के वोट बढ़ाए गए और नतीजा कांग्रेस के

खिलाफ रहा। दिग्विजय सिंह ने कहा कि पोस्टल बेल्ट

में कांग्रेस जीती, ईवीएम में बटन कांग्रेस के निशान के

पास दबा और जीत गई भाजपा। दिग्विजय सिंह ने कहा

कि ईवीएम में चिप लगी होती है, उनको हैक किया जा

सकता है इसीलिए उनको ईवीएम पर बिल्कुल भरोसा

नहीं है। मीटिंग के बाद कमलनाथ खुलकर नहीं बोले।

उन्होंने कहा कि सबको पता है कि क्या हुआ, एक्जिट

पोल भी तय थे और नतीजे भी। कमलनाथ ने सवाल

उठाया कि 10 घंटे चलने के बावजूद ईवीएम गिनती

वाले दिन 99 परसेंट कैसे चार्ज्ड नजर आई। कमलनाथ

ने सवाल किया कि एक विधायक को अपने ही गांव में

5 वोट भी नहीं मिले, ये कैसे हो सकता है? कांग्रेस को

हराया गया है, ईवीएम के जरिए साजिश हुई है, अब

ईवीएम के इस्तेमाल का विरोध होना चाहिए। कांग्रेस

विधायक फूल सिंह बरैया ने कहा कि भाजपा ने बहुत

चतुराई से, एक रणनीति के तहत काम किया, इसीलिए,

सारी ईवीएम से छेड़-छाड़ नहीं की। बरैया ने कहा कि

भाजपा ने कुछ सीटों पर विपक्ष को भी जिता दिया,

तेलंगाना में कांग्रेस को जिता दिया, जिससे कोई ईवीएम

पर सवाल उठाए, तो कह दें कि ईवीएम हैक हुई, तो

तेलंगाना में कांग्रेस कैसे जीत गई? दिलचस्प बात ये है

कि नतीजे आने के एक दिन बाद खुद कांग्रेस के नेता

कह रहे थे कि उनका वोट बैंक इटैवट है। चारों राज्यों

को मिला दें तो कांग्रेस को भाजपा से ज्यादा वोट मिले

हैं। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने तो ट्वीट

करके बताया कि कांग्रेस और भाजपा के वोट शेर

में कोई खास अंतर नहीं है। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया

श्रीनेत ने आंकड़े भी गिना दिए कि कांग्रेस को भाजपा

से दस लाख वोट ज्यादा मिले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

शिवराज सिंह चौहान ने पूछा कि ईवीएम में गड़बड़ी थी,

तो कमलनाथ के छिंदवाड़ा में कांग्रेस सातों सीट कैसे

जीत गई। दिग्विजय सिंह का ये कहना कि ईवीएम में

काग्रेस निशान का बटन दबा, पर वोट भाजपा को पड़ा,

उनकी हताशा दिखाता है। इसे कहते हैं- खिसियानी

बिल्ली खंभा नेचे। शिवराज सिंह ने सही सवाल पूछा।

अगर ईवीएम में गड़बड़ थी तो कमलनाथ के इलाके में

काग्रेस सातों सीटें कैसे जीत गई, कोई पूछे क्या तेलंगाना

में कांग्रेस ईवीएम में गड़बड़ी करके जीती है? कुछ

महीने पहले कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की

जीत क्या ईवीएम में हेराफेरी करके हुई थी? अपनी हार

को स्वीकार न करना दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं की

पुरानी आदत है। कांग्रेस जब तक अपनी हार के कारण

का ईमानदारी से आत्मविश्लेषण नहीं करेगी, तब तक वो

हम हाले दिल सुनाएंगे

यदि आप किसी क्रिकेट प्रेमी के हथ्ये चढ़ गये

क्रिकेट मधुमास में ---तो जिनिये आप जिस

इतिहास को बोर सबजेक्ट कहते थे वह आपका

अति ऊबाउ व घृणित विषय हो जाएगा। फलां क्रिकेटर

के आंकडे,अमुक क्रिकेट के आकड़ों से कम हैं जबकि

पहले के प्रेम प्रसंग दूसरे से अधिक हैं। सारी तारीखों के

साथ आपके सामने वाला क्रिकेट इतिहासकार सारी

तवारीख बयान कर देगा और आप मुंह बायें खड़े रहने

की श्रोताची शिष्टता भी निभाते रहेंगे। हमारे एक

मित्र हैं- इन्हें हम तत्व कहते हैं

भरे जाने के बाद माया मोह से मुक्ति की तरह नौ दो ग्यारह

हो जायेगा। और आप शीर्ष ही रफू चक्कर होने पर विवश

होंगे। राजनीति व्यापक है---हरिकथा की तरह अनंत है

और आपका जीवन पानी का एक बुदबुद है। वे कहते नहीं

थकेगे चाहे आप उबासियां ही क्यों न लेते रहें। यदि

आप किसी क्रिकेट प्रेमी के हथ्ये चढ़ गये क्रिकेट मधुमास

में ---तो जिनिये आप जिस इतिहास को बोर सबजेक्ट

कहते थे वह आपका अति ऊबाउ व घृणित विषय हो जाएगा।

फलां क्रिकेटर के आंकडे, अमुक क्रिकेट के आकड़ों से

कम हैं जबकि पहले के प्रेम प्रसंग दूसरे से अधिक हैं। सारी

तारीखों के साथ आपके सामने वाला क्रिकेट इतिहासकार

सारी तवारीख बयान कर देगा और आप मुंह बायें खड़े रहने

की श्रोतायी शिष्टता भी निभाते रहेंगे। हमारे एक मित्र

हैं- इन्हें हम तत्व कहते हैं- सामाजिक और असांमाजिक

के मध्य वाले तत्व कहते हैं। राजनीति में स्वयं को चाणक्य

के वंशज, साहित्य में प्रेमचंद निराला के समक्ष, क्रिकेट

वक्तागिरी से केवल उनकी पत्नी ही बच सकी है क्योंकि

घर में इनकी बोलती पर उनके व्याख्यान पुरअसर ठहरते

हैं। सो यह तत्व बाहर तलाशते हैं एक निरीह श्रोता को

और अपने ज्ञान का आख्यान ऐसे प्रस्तुत करते हैं कि यह

वह श्रोता मनुष्य कोटि का हुआ तो अगली मुलाकात में इस

तत्व को पहचानने से इकार कर देगा। एक रविवार जब

निराला शहर कर्पूरग्रस्त था था टी वी के कारण, मैं टहलने

सकता हूँ। बसंती बयार, हल्की गुलाबी शीतल हवा कि पान

की दुकान के तत्व ने किलकारी भरा सम्बोधन माराभाया

आओ फिर पान वाले से कहा- सुनो पान वाले, भाई के

लिए एक स्पेशल पान लगाना। पता नहीं किस कोलंबस

ने मेरे ताम्बूल प्रेम के विषय में इन्हें बताया। मैंने भी

सोचा चलो, शान्त शहर में कुछ कहने सुनने के लिए कोई

ईशान तो मिला। यह अलग बात है कि कहने का मौका मुझे

मिला ही नहीं सिर्फ सुनने का दुर्भाग्य रहा। मुझे लगता है

मेरे राशिफल में उस सप्ताह धोखे से ज्योतिषाचार्य ने सही

लिख दिया था- किसी पुराने परिचित से भेंट होगी। यह भेंट

समझ ही नहीं पाएगी कि इन राज्यों में जनता ने कांग्रेस

को वोट क्यों नहीं दिया। कांग्रेस को इस बात पर विचार

करना चाहिए कि लोगों ने उनके वादों पर भरोसा क्यों

नहीं किया और मोदी की गारंटी पर विश्वास क्यों किया।

अगर इस बात को नहीं समझे, तो आगे भी कुछ नहीं कर

पाएंगे और कांग्रेस का आकार और छोटा होता जाएगा।

गौरतलब है कि ईवीएम , प्रशासन और चुनाव आयोग

का यह सिलसिला नया नहीं है यह बहुत समय से चला

आ रहा है और हर हारने वाली पार्टी को अपनी झेप

छुपाने का यही सरल तरीका लगता है। भाजपा कांग्रेस

आरोपों पर आज भले ही मजाक उड़ा रही हो लेकिन

ईवीएम पर अविश्वास का सबसे पहला दावा उसी के

खाते में है। साल 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद से

ईवीएम का इस्तेमाल भारत में चुनाव कराने के लिए हो

रहा है। बात सन् 2009 की है। तब सत्ता में कांग्रेस थी

और भाजपा कई राज्यों में चुनाव हार रही थी। उस वक्त

भाजपा के पुरोधे नेता लालकृष्ण आडवाणी ने चुनाव

आयोग से लेकर ईवीएम पर तमाम सवाल खड़े कर दिए

थे। यही नहीं भाजपा नेता और मौजूदा सांसद जीवीएल

नरसिम्हा राव ने तो बाकायदा 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन

से लोकतंत्र को खतरे' पर एक किताब तक लिख डाली

थी। वक्त बदला और भाजपा सत्ता में आई तो कांग्रेस

के सुर बदल गए।



किसी भी व्यक्ति से चाहे छोटा हो बड़ा हो अमीर हो गरीब हो मिलते समय उसका यथा योग्य अभिवादन शिष्टाचार पूर्वक अवश्य करें इससे आपकी पहुंच एवं प्रभाव का दायरा विस्तृत होने लगेगा, सफलता ही सफलता से आप आगे बढ़ने लगेगे, किसी भी व्यक्ति से अशिष्टतापूर्वक व्यवहार न करें ,आपको यदि यह महसूस होता है कि सामने वाला कुछ गलती पर है या गलत कार्य कर रहा है तो उस पर नाराज ही जाए ना कर उसे बड़े ठंडे दिमाग से समझाई दीजिए, इससे आपका प्रभाव गलत ना होकर शानदार होने लगेगोप्रभावशाली व्यक्तित्व के निर्माण में समय की प्रतिबद्धता एवं समय पर कार्य करने की अदम्य लालसा का बड़ा महत्व है यदि आप सही समय पर सही कार्य करेंगे एवं अपने संपूर्ण कार्य समय पर प्रतिपादित करने की आदत डालेंगे, तो कार्यो की सफलता की एक तरह से संपूर्णता दिखाई देने लगती है यदि कहीं मीटिंग या किसी व्यक्ति को अपने समय दिया है तो आप वहां समय पर ही पहुंच कर मीटिंग का संपादन करें, आज के युग में किसी को किसी का इंतजार करना पसंद नहीं आता है ऐसे में काम को सफलता की गुंजाइश कम हो जाती है और किसी को किसी भी कार्य के लिए इंतजार करवाना अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण के प्रतिकूल प्रभाव डालता है



कुछ टैक्स सेविंग्स उपायों को अपनाकर आप भी बचा सकते हैं गाढ़ी कमाई पर लगने वाला टैक्स

परिवहन विशेष न्यूज

चाहे देश में नैकरोपेशा व्यक्ति हो या फिर व्यापारी, सभी को अपनी अपनी इनकम पर टैक्स देना पड़ता है। हालांकि, शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा जिसे टैक्स देना पसंद हो। आलम यह है कि हर कोई टैक्स पर बचत करना चाहता है। इसके लिए सरकार की तरफ से कई तरह के इवैस्टमेंट स्कीम्स के साथ दूसरे ऑप्शंस भी उपलब्ध हैं जिनके जरिए टैक्स पर बचत की जा सकती है। वित्तीय वर्ष 2023-24 इसी महीने से शुरू हुआ है। इसलिए आगे की योजना आगु इमीनार से बनाइए। कुछ उपायों को अपनाकर टैक्स पर बचत की जा सकती है। वहीं, कई लोग टैक्स बचाने के चक्कर में अनाप-शनाप चीजों में पैसे लगा देते हैं। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी है कि आप कानूनी तरीके से कैसे ज्यादा से ज्यादा टैक्स बचा सकते हैं। यहां पर हम आपको कुछ तरीके बता रहे हैं, जो टैक्स सेविंग में आपकी काफी मदद करेंगे।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) को संक्षेप में पीपीएफ कहा जाता है। सरकार की इस स्कीम में इवैस्ट करके निवेशक को टैक्स में छूट मिलती है। पीपीएफ के



तहत इवैस्ट की गई राशि, उस पर मिला इंस्ट्रेट और साथ ही उस राशि के मैच्योर होने पर उसे निकलाना, ये सभी टैक्स फ्री होता है। जानकारों की मानें तो बॉन्ड यील्ड बढ़ने के बावजूद स्मॉल सेविंग स्कीमों पर मिलने वाले ब्याज में कोई इजाफा नहीं किया गया। फिर भी टैक्स फ्री होने के नाते पीपीएफ बैंक डिपॉजिट से ज्यादा आकर्षक विकल्प है। बता दें कि छोटी बचत योजनाओं को ब्याज दरें सरकारी बॉन्ड यील्ड से जुड़ी होती हैं। 2022 के दौरान सरकारी बॉन्ड यील्ड में लगातार बढ़ोतरी हुई, लेकिन छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। हालांकि, 7.1 फीसदी की ब्याज दर बैंकों के मुकाबले बेहतर ही है। पीपीएफ पर मिलने वाला ब्याज टैक्स फ्री होता है। वहीं, एफडी पर मिलने वाला ब्याज टैक्स के दायरे में आता है। पांच

साल पूरा होने के बाद आंशिक निकाली की सुविधा भी मिल जाती है। पीपीएफ अकाउंट ऑनलाइन भी खुलवाए जा सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसीज

स्वास्थ्य बीमा यानी हेल्थ इंश्योरेंस भी सरकार की एक स्कीम है जो मेडिकल में काफी काम की होती है। हेल्थ इंश्योरेंस कराने पर भी टैक्स में छूट मिलती है। वहीं, जहां तक लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसीज की बात है तो यह टैक्स बचाने का सबसे खराब तरीका है। इसका मुख्य फायदा भी टैक्स बचाना नहीं है। लेकिन, इन्हें अब भी टैक्स बचाने का तरीका कहकर बेचा जा रहा है। वैसे तो लाइफ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनसे लक्ष्यों को सुरक्षित करने में मदद मिलती है। लेकिन, यह काम

शुद्ध टैमन प्लान से भी पूरा हो सकता है। इसमें पारंपरिक एंडोमेंट पॉलिसी या मनी बैक पॉलिसी से कहीं कम खर्च बैठेगा। पारंपरिक पॉलिसी में सबसे बड़ी कमी यह है कि इनमें लाइफ कवर काफी कम मिलता है। इंश्योरेंस प्रीमियम पर 80सी के तहत टैक्स बेनिफिट उपलब्ध है। पॉलिसी इनकम पर सेक्शन 10(10डी) के तहत टैक्स छूट मिलती है।

टैक्स सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट

टैक्स सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट यानी टैक्स सेविंग एफडी भी सरकार की एक इवैस्टमेंट स्कीम है। जिसमें इवैस्ट करके भी टैक्स में छूट मिलती है। जिन वरिष्ठ नागरिकों की सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम में निवेश सीमा खत्म हो चुकी है, उनके लिए टैक्स सेविंग एफडी अच्छा विकल्प है। इनमें अब ब्याज भी 7 प्रतिशत से अधिक मिल रहा है। यह लुभावनी दर है, लेकिन टैक्स के चलते रिटर्न कम हो जाता है। जानकार बताते हैं कि, 'स्लैब रेट पर ब्याज पूरी तरह से टैक्सबल है, इसलिए 30 प्रतिशत टैक्स बैकेट में निवेशकों के लिए पोस्ट-टैक्स रिटर्न 5 फीसदी से कम है।' लेकिन टैक्स सेविंग एफडी का एक बड़ा फायदा यह है कि इसमें बहुत जल्दी निवेश किया जा सकता है। बस आपको नेटबैंकिंग अकाउंट में

लॉग ऑन करना है और कुछ ही क्लिक में आपका काम हो जाएगा।

न्यूयूअल फंड इंग्लएसएस स्कीम

न्यूयूअल फंड की इंग्लएसएस स्कीम भी इवैस्टमेंट के लिहाज से एक अच्छी स्कीम है। साथ ही इससे टैक्स में छूट भी मिलती है। हालांकि इस स्कीम पर रिटर्न मार्केट में उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। ऐसे में रिस्क बनी रहती है। इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम यानी इंग्लएसएस भी टैक्स बचाने के लिहाज से अच्छा जरिया है। हालांकि, इस साल इक्विटी मार्केट बहुत स्थिर नहीं दिख रहा। वैश्विक मंदी की आशंका, ऊंची महंगाई दर और सुस्त मांग का सीधा मतलब यह है कि आने वाले महीनों में कॉर्पोरेट मुनाफा कम हो सकता है। जानकारों का कहना है कि, 'इस साल बाजार अस्थिर रहेगा, इसलिए इक्विटी निवेशकों को उतार-चढ़ाव के लिए तैयार रहना चाहिए। यहां तक कि पूंजी में गिरावट भी दिख सकती है।' अगर इस चीज को नजर अंदाज कर दें, तो इंग्लएसएस फंड बाकी सभी मायने में अच्छे हैं। सबसे बड़ी बात तो यह कि ये पारदर्शी हैं, जोई लागत बहुत कम है और तीन साल की लॉक-इन अवधि सभी टैक्स-सेविंग ऑप्शन में सबसे कम है। लेकिन ये इक्विटी फंड हैं और आदर्श रूप

से इनमें मंथली एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए।

नेशनल पेंशन स्कीम

नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) भी टैक्स में छूट पाने के लिए एक अच्छा ऑप्शन है, जो टैक्स सेविंग के लिए टॉप पिक पर है, क्योंकि साल 2023 में इक्विटी के मुकाबले डेट इनवेस्टमेंट से ज्यादा रिटर्न मिलने का उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि इसमें तीन तरीकों से डेढ़ लाख रुपये तक का योगदान सेक्शन 80सी के तहत डिडक्शन के रूप में क्लेम किया जा सकता है। दूसरा, सेक्शन 80सीसीडी(1बी) के तहत 50 हजार रुपये के अतिरिक्त डिडक्शन का प्रावधान है।

तीसरा, यदि कंपनी आपको बेसिक सैलरी का 10 फीसदी तक एनपीएस में डालती है, तो वह रकम टैक्सबल नहीं होगी। वहीं, नैशनल पेंशन स्कीम का रेगुलेशन पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डिवेलपमेंट अथॉरिटी की ओर से किया जाता है।

इस स्कीम में आपको 60 साल की उम्र तक इनवेस्ट करना होता है। 60 साल की उम्र होने पर जमा रकम के 40 प्रतिशत हिस्से से पीएफआरआई के पास रिजस्टर्ड किसी बीमा कंपनी से आपको

एन्युटी खरीदनी होगी। वहीं, आपके पास यह विकल्प होगा कि जमा रकम का 40 प्रतिशत हिस्सा विड्रॉ कर लें। इस पर आपको टैक्स नहीं देना होगा। बचे हुए 20 प्रतिशत हिस्से को भी आप निकाल सकते हैं, लेकिन उस पर आपको अपनी इनकम टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स चुकाना होगा। आप चाहें तो इस 20 प्रतिशत हिस्से से एन्युटी भी खरीद सकते हैं। एनपीएस के तहत निवेश की गई रकम पर कोई टैक्स नहीं लगता है। लेकिन इससे आपको होने वाली सालाना इनकम पर टैक्स लगता है।

गृह ऋण (होम लोन)

घर खरीदने के लिए लिया जाने वाला ऋण होम लोन कहलाता है। इस पर कर छूट मिलती है। इसलिए कई लोग घर खरीदने के लिए होम लोन का ऑप्शन चुनते हैं। क्योंकि होम लोन पर भी टैक्स में आकर्षक छूट मिलती है।

यूनिट लिंक्ड इनवेस्टमेंट प्लान

यूनिट लिंक्ड इनवेस्टमेंट प्लान यानी यूलिप एक ऐसा निवेश माध्यम है, जिसमें इंश्योरेंस का भी फायदा मिलता है। इसमें आपको 80सी के तहत डेढ़ लाख रुपये तक पर टैक्स छूट मिलती है। हालांकि, यदि यूलिप के तहत सालाना प्रीमियम ढाई लाख रुपये से अधिक होता है, तो उस

अतिरिक्त प्रीमियम पर भी टैक्स लगेगा। देखा जाए तो यह वैसे ही होगा, जैसे 1 लाख रुपये से अधिक के लॉन टर्म कैपिटल गेन पर 10 फीसदी की दर से टैक्स लगता है। इसमें डेट और इक्विटी के बीच स्विच करने में सहूलियत होती है, क्योंकि उस पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इसमें रिटर्न भी टैक्स फ्री है, जिसमें पैसा रिटायरमेंट तक लॉक नहीं होता है।

सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम

सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस) पहले से ही 60 वर्ष से अधिक आयु वालों के लिए निवेश का सबसे अच्छा विकल्प थी। पिछले दिनों यह स्कीम और बेहतर हो गई, जब इसमें ब्याज दर को एकाएक बढ़ाकर 8 फीसदी कर दिया गया। यह बात अलग है कि ब्याज वाली रकम पर टैक्स लगता है। जबकि 50 हजार रुपये तक का ब्याज टैक्स फ्री रहता है। कहने का तात्पर्य यह कि यदि कोई 6 लाख 25 हजार रुपये तक निवेश करता है, तो उसे मिलने वाला ब्याज टैक्स फ्री रहेगा। यह स्कीम हर तिमहारी की शुरूआत में पेंशन देती है। इस पर ब्याज 8 फीसदी है। इस प्रकार यह स्कीम पीपीएफ से अधिक रिटर्न देती है, जिससे इस ओर भी लोगों के रुझान बढ़ें हैं।

संक्षिप्त खबरें

जॉर्जिया मेलोनी के इटली ने चीन को दिया झटका, जिनपिंग के महत्वाकांक्षी बीआरआई परियोजना से हुआ बाहर

2013 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से शुरू किए गए, बीआरआई का उद्देश्य एशिया और यूरोप में अनुमानित 1 ट्रिलियन डॉलर का निवेश था। इस परियोजना के तहत नई और उन्नत रेलवे लाइनों और बंदरगाहों का निर्माण कर चीन को यूरोप और एशिया के अन्य हिस्सों से जोड़ना है। इटली ने चीन के महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) से बाहर निकलने की पुष्टि कर दी है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के प्रशासन ने बीजिंग को सूचित कर दिया है कि बीआरआई से बाहर हो रहा है। इटली 2019 में चीन की सबसे महत्वाकांक्षी व्यापार और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक बीआरआई पर हस्ताक्षर करने वाला एकमात्र प्रमुख पश्चिमी राष्ट्र था। उस समय अमेरिका और अन्य देशों ने इटली के कदम की कड़ी आलोचना की थी।

2013 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से शुरू किए गए, बीआरआई का उद्देश्य एशिया और यूरोप में अनुमानित 1 ट्रिलियन डॉलर का निवेश था। इस परियोजना के तहत नई और उन्नत रेलवे लाइनों और बंदरगाहों का निर्माण कर चीन को यूरोप और एशिया के अन्य हिस्सों से जोड़ना है। लेकिन बीआरआई की शुरुआत से ही अमेरिका 'कर्र्ज के जाल में फंसेने वाली कूटनीति' के उदाहरण के तौर पर आलोचना करता रहा है। वाशिंगटन का कहना है कि चीन की योजनाओं में ऐसी बड़ी परियोजनाएं शामिल हैं जिन्हें देश विक्त पोषित करने में असमर्थ हैं, जिससे बीजिंग को अपने उद्देश्यों के लिए लाभ मिल रहा है। बीआरआई पर हस्ताक्षर करने वालों में इटली यूरोपीय संघ के 18 सदस्यों में से सबसे बड़ा था। इटली की बीआरआई सदस्यता अगले साल मार्च में स्वचालित रूप से नवीनीकृत होने वाली थी। इससे पहले ही इटली ने इससे बाहर निकलने की आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है। इससे पहले मेलोनी ने बीआरआई में शामिल होने के पूर्व सरकार के फैसले को एक गंभीर गलतीएं करार दिया था और संकेत दिया था कि वह इस फैसले को वापस लेने के बारे में सोच रही है।

लेकिन उनकी सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि वह इस कदम के बावजूद चीन के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की कोशिश कर रही है। 2019 में शी द्वारा इटली में किए गए 20 बिलियन यूरो के निवेश के वादे का केवल एक हिस्सा ही ही पूरा हो पाया है। इटली से चीन को निर्यात पिछले साल 16.4 अरब यूरो रहा, जबकि 2019 में यह 13 अरब यूरो था। इसके विपरीत, इटली को चीनी निर्यात इसी अवधि में 31.7 बिलियन यूरो से बढ़कर 57.5 बिलियन यूरो हो गया।

चीन यूरोजोन की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपीय संघ के सदस्यों फ्रांस और जर्मनी के साथ कहीं अधिक व्यापार करता है। हालांकि, ये बीआरआई के सदस्य नहीं हैं। पिछले साल सता में आने के बाद से मेलोनी ने अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में अधिक पश्चिमी और नाटो समर्थक विदेश नीति पर जोर दिया है। मेलोनी का यह कदम यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और शी के बीच गुठराव यांनी आज को होने वाली शिखर वार्ता से पहले आया है। बैठक के दौरान, श्रीमती वॉन डेर लेयेन की ओर से यूरोपीय संघ को सौंप पैनलों और इलेक्ट्रिक कारों सहित सस्ते सामानों की आपूर्ति पर अंकुश लगाने के लिए चीनी राष्ट्रपति को चेतावनी देने की उम्मीद है।

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा देश में यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए 'सेतु भारतम योजना' नामक एक केन्द्रीय योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत देश भर में सभी रेलवे क्रॉसिंग्स और राष्ट्रीय राजमार्गों पर पुल बनाए जा रहे हैं। इन पुलों के बन जाने से देश को ट्रैफिक की दिन-ब-दिन बिकराल होती जा रही समस्या से मुक्ति मिलेगी। वहीं सड़क मार्गों पर यात्रा के दौरान लगे हुए लंबे समय में भी काफी बचत होगी। बता दें कि सेतु भारतम योजना का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 4 मार्च 2016 को 102 बिलियन के बजट में लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य शीघ्र ही सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को रेलवे



क्रॉसिंग से मुक्त करना है। यह योजना सड़क सुरक्षा के महत्व की ओर ध्यान देने के साथ शुरू की गई थी। इसके तहत देश भर में लगभग 280 रेलवे ट्रैक के नीचे और ऊपर पुलों का निर्माण करना है। वहीं, रेलवे ट्रैक ब्रिज निर्माण के उद्देश्य के लिए एक टीम गठित की गई है, जिसकी मदद से विभिन्न राज्यों को कवर किया गया है। इस परियोजना



के तहत पुलों के सफल निर्माण के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जा रहा है। जिस पर आधारित वैज्ञानिक तकनीकों जैसे आयु, दूरी, देशांतर, अक्षांश सामग्री और डिजाइन का उपयोग किया जा रहा है, जो नए पुलों के मासचित्रण और निर्माण में उपयोगी तकनीक साबित हुई है। उल्लेखनीय है कि इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के

म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए क्या क्या कार्य करें और क्या क्या काम न करें

परिवहन विशेष न्यूज

किसी भी म्यूचुअल फंड में निवेश करना एक अच्छी आदत है। इसका सबसे अच्छा लाभ यह है कि वे एक व्यक्तिगत निवेशक के रूप में आपके लिए जितना संभव हो सके, उससे कम लागत पर निवेश के विविधीकरण की अनुमति देते हैं। हालांकि, इसमें बहुत अधिक या बहुत कम धनराशि रखना अच्छा नहीं है। इसलिए आपके फंड के प्रकार का चुनाव आपके निवेश लक्ष्य, समय सीमा और जोखिम उठाने की क्षमता आदि पर निर्भर होना चाहिए। इसलिए नीचे हम म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए क्या-क्या कार्य करें और क्या-क्या काम न करें, इसके बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा करेंगे।

म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए ये-ये कार्य करें

सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाला एक फंड चुनें और उसके ऑफर दस्तावेज को ध्यानपूर्वक देखने का यत्न करें

म्यूचुअल फंड योजना सूचना दस्तावेज़ निधि की नियम पुस्तिका है। यह फंड के निवेश का उद्देश्य, यह किस प्रकार के शेयरों में निवेश करेगा, इन्विस्ट्मेंट फंड के मामले में विभिन्न मार्केट कैप में निवेश का अनुपात, व्यव अनुपात इत्यादि जैसे तथ्यों पर जानकारी प्राप्त करने का सबसे विश्वसनीय स्रोत है। वहीं, फंड की होल्डिंग्स की वर्तमान संरचना और वर्तमान फंड मैनेजर



का अंदाजा लगाने के लिए फंड की नवीनतम फेक्ट शीट भी पढ़ें। ताकि आप सभी प्रासंगिक दस्तावेज म्यूचुअल फंड की वेबसाइट पर पा सकते हैं और तदनुसार बेहतर निवेश निर्णय ले सकते हैं।

हमेशा अपनी शांति बनाए रखने का प्रयास करें

किसी भी म्यूचुअल फंड निवेशक को चाहिए कि वह वर्ष में एक बार अपने फंड के प्रदर्शन की गिरानी खुद से करें। और इससे रभी बाहर निकलें, जब पोर्टफोलियो की संरचना में बदलाव, फंड मैनेजर में बदलाव आदि जैसे मूलभूत कारकों के कारण इसका प्रदर्शन एक वर्ष या उससे अधिक समय तक अपने साथियों की तुलना में खराब रहा हो। इसलिए किसी आपाधापी में न पड़ते हुए अपनी शांति बनाए रखने का प्रयत्न करें।

अकसर एसआईपी के माध्यम से निवेश

करने पर विचार कर सकते हैं। इसी तरह से यदि आप वरिष्ठ नागरिक हैं तो आप अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी में कम आवंटन पसंद कर सकते हैं। खास बात यह कि जब तक आपको नियमित आय की आवश्यकता न हो, लाभार्ा का पुनर्निवेश करना चुनें। इससे आपको लॉन्ग टर्म में लाभ मिलेगा।

हमेशा अपने व्यय अनुपात की तुलना करें

यदि आप म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं तो आपको इस बात पर गौर परमाना चाहिए कि विशेष रूप से इंडेक्स फंडों के मामले में जो निष्क्रिय रूप से प्रबंधित होते हैं, व्यय अनुपात फंड चयन के लिए एक निर्धारक है। मसलन इंडेक्स फंड बस एक इंडेक्स को ट्रैक करते हैं, इसलिए किसी विशेष इंडेक्स पर नजर रखने वाले सभी फंडों का रिटर्न समान होने की उम्मीद है। यहां आप कम व्यय अनुपात वाला फंड चुन सकते हैं। क्योंकि लंबी अवधि में उच्च व्यय अनुपात चक्रवृद्धि के प्रभाव के कारण आपके रिटर्न का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खा सकता है।

यही किसी भी निवेशक को अच्छा नहीं लगता है।

म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए ये-ये काम कदापि न करें

किसी फंड के प्रदर्शन और प्रस्ताव दस्तावेज की समीक्षा किए बिना उसमें कतई निवेश न करें

यदि आप म्यूचुअल फंड के निवेशक हैं तो किसी फंड के प्रदर्शन और प्रस्ताव दस्तावेज की समीक्षा किए बिना उसमें कदापि निवेश न करें। ऐसा कहने का आशय यह है कि किसी फंड में केवल इसलिए निवेश न करें, क्योंकि आपके मित्र ने इसे हाल ही में खरीदा है या फिर किसी वेबसाइट या टीवी कार्यक्रम में इसकी अनुशंसा की गई थी। कारण कि बाजार में तेजी के दौरान ज्यादातर फंड अच्छा प्रदर्शन करेंगे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे सभी लगातार अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इसलिए समुचित सावधानी रखें।

बाजार में तेजी और गिरावट के दौरान अपने फंड के प्रदर्शन पर नजर रखें, उसे नजरअंदाज बिल्कुल न करें

किसी फंड का उसके वर्तमान प्रदर्शन के लिए आँख मूँट कर पीछा करना या निकट अतीत में उसके कमजोर प्रदर्शन के लिए किसी दूसरे फंड को नजरअंदाज न करना अच्छी बात है। इसलिए बाजार में तेजी और गिरावट के दौरान फंड के प्रदर्शन पर निरंतर नजर रखें। जानकार बताते हैं कि कम से कम पांच साल के प्रदर्शन वाले फंड में निवेश करें। वहीं, अगर आप म्यूचुअल फंड में नए हैं तो एनएफओ से दूर रहें। क्योंकि अधिकांश नए फंड वास्तव में कुछ भी नया पेश नहीं करते हैं, बल्कि उनके पास पोर्टफोलियो संरचना में मामूली बदलाव के साथ सिर्फ फेंसी नाम हैं। इसलिए फंड मैनेजर की

विश्वसनीयता की जांच करें। साथ ही यह भी पता करें कि क्या वह अनुभवी है? क्या ऐसे अन्य फंड हैं जिनका वह सफलतापूर्वक प्रबंधन कर रहा है? क्या एएससी अच्छी फंड प्रबंधन टीम और अच्छा प्रदर्शन करने वाले फंड के लिए जानी जाती है? इन मूलभूत तथ्यों/बातों पर गौर करें।

हर दिन या हरेक सप्ताह या त्रैत्येक महीने में भी अपने फंड की एनएवी की जांच न करें, घबड़ाए नहीं

यदि आप म्यूचुअल फंड निवेशक हैं तो हर दिन या हरेक सप्ताह या त्रैत्येक महीने में भी अपने फंड की एनएवी की जांच न करें। क्योंकि अल्पावधि में एनएवी में उतार-चढ़ाव हो सकता है। लेकिन जो तथ्य मायने रखता है- वह है प्रतिशत लाभ या हानि। इसलिए एक अवधि के बाद अल्पाकालिक हानि लाभ के साथ समाप्त हो जाती है। इसलिए शॉर्ट रें और अपना पैसा खोने के डर से अपनी इकाइयों को बेचने में जल्दबाजी न करें,

बशर्ते आपको विश्वास हो कि आपने उचित शोध के बाद निवेश का विकल्प चुना है।

किसी भी न्यूयूअल फंड में एक साथ बड़ी मात्रा में निवेश न करें

यदि आप एकमुश्त निवेश कर रहे हैं, तो किसी लक्ष्य के लिए आवंटित सारा पैसा एक बार में ही किसी फंड में न डालें।

क्योंकि जब आप महंगी कीमत पर यूनिके खरीदते हैं तो अधिक उठाते हैं तो संभवतः आपका पूरा निवेश भी लूट/फंस सकता है, यदि वह एक बुरा फंड है तो। इसलिए अतिरिक्त सावधानी जरूरी है।

केवल किसी फंड के प्रदर्शन का पीछा न करें, बल्कि अन्य बातों पर भी गौर करें

अगर एक फंड लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो वह इस बात की गारंटी देता है कि जब आप इकाइयों को भुनाना चाहेंगे तो उसका प्रदर्शन बहुत अच्छा होगा, क्योंकि बाजार अस्थिरता के अधीन हैं। लेकिन किसी भी निवेशक के लिए बेहतर यह होगा कि वह केवल किसी फंड के प्रदर्शन का पीछा न करे, बल्कि अन्य बातों पर भी गौर करें।

न्यूयूअल फंड प्रबंधन के खर्चों, लेन-देन शुल्क आदि को कवर करने के लिए प्रोफेशनल लोग निदेशकों से शुल्क लेते हैं। वहीं, फंड के एक निर्दिष्ट समय अवधि से पहले निकाली सभी निवेशक के लिए बेहतर यह होगा कि वह केवल किसी फंड के प्रदर्शन का पीछा न करे, बल्कि अन्य बातों पर भी गौर करें।

म्यूचुअल फंड प्रबंधन के खर्चों, लेन-देन शुल्क आदि को कवर करने के लिए प्रोफेशनल लोग निदेशकों से शुल्क लेते हैं। वहीं, फंड के एक निर्दिष्ट समय अवधि से पहले निकाली सभी निवेशक के लिए बेहतर यह होगा कि वह केवल किसी फंड के प्रदर्शन का पीछा न करे, बल्कि अन्य बातों पर भी गौर करें।

न्यूयूअल फंड प्रबंधन के खर्चों पर ध्यान न दें



